RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 93 ● भिलाई, सोमवार 13 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

सरकारी नौकरी के सपने दिखाकर 36 युवाओं से ठगे 2.88 करोड़ रुपये

मुंबई। मुंबई की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा किया। पुलिस ने खुद को आईएएस अधिकारी बताने वाले एक ठग को गिरफ्तार किया है, जो अब तक 36 नौकरी के इच्छुक युवाओं से कुल 2.88 करोड़ रुपए की ठगी कर चुका है। आरोपी की पहचान सोलापुर जिले के बार्शी निवासी 35 वर्षीय नीलेश राठौड़ के रूप में हुई है। वह खुद को स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (एसएससी) में उप सचिव बताकर लोगों को सरकारी नौकरी का झांसा देता था। मुंबई पुलिस की जांच में सामने आया है कि उसने आयकर विभाग में इंस्पेक्टर और सहायक जैसे पदों के लिए फर्जी भर्तियों का झांसा देकर लाखों रुपए वसूले। सहार पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 318, 319, 336, 338 और 340 के तहत केस दर्ज किया गया है।

चाय पर बुलाकर चाचाओं ने भतीजे को कुल्हाड़ी से काट डाला

टोंक। जिले के घाड़ थाना क्षेत्र से एक ऐसी सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जिसने रिश्तों और कानून दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां जमीनी विवाद में तीन सगे चाचाओं ने अपने ही भतीजे की कुल्हाड़ी से काटकर नृशंस हत्या कर दी। दिल दहला देने वाली बात यह है कि यह हत्याकांड पुलिस की मौजूदगी में हुए एक समझौते के महज 72 घंटे बाद ही अंजाम दिया गया। यह खौफनाक घटना बेलहड़ी गांव की है। जानकारी के मुताबिक, मृतक सुरेश गुर्जर अपने बड़े भाई मनराज के साथ गांव में एक सामूहिक भोज में शामिल होने जा रहा था। रास्ते में उनके तीन चाचाओं- रामेश्वर, बाबूलाल और छोटू महाराज ने उन्हें चाय पिलाने के बहाने अपने घर पर रोक लिया। जैसे ही सुरेश घर के अंदर दाखिल हुआ, पहले से घात लगाकर बैठे तीनों चाचाओं ने अपने बेटे सोनू और उसकी पत्नी लक्ष्मी के साथ मिलकर उस पर कुल्हाड़ियों और लाठियों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमला इतना घातक था कि सुरेश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

दुर्गापुर गैंगरेप केस

सीएम ने लड़कियों को रात में न निकलने की सलाह दी...

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात पर सीएम ममता बनर्जी ने पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा ये वारदात चौंकाने वाला है; हमारी सरकार ऐसी घटनाओं को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करती। सीएम ममता बनर्जी ने आगे कहा कि, वारदात में शामिल तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं, पुलिस अन्य की तलाश कर रही है; किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान सीएम ममता ने ये भी कहा कि, निजी कॉलेजों को परिसर के भीतर और आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि, 'वह लड़की निजी मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही थी, इसलिए निजी मेडिकल कॉलेज की जिम्मेदारी है कि वे रात के 12.30 बजे कैसे बाहर आ गईं। जहां तक मुझे पता है कि यह वन क्षेत्र में हुआ था, इसलिए 12.30 बजे मुझे नहीं पता कि क्या हुआ, जांच जारी है... पुलिस जांच कर रही है, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा, दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी। 3 लोग पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। वहीं इस मामले में विपक्ष की तरफ से सरकार पर निशाना साधे जाने पर सीएम ममता ने पलटवार भी किया है। उन्होंने कहा, 'आप मुझे बताइए कि ओडिशा में तीन सप्ताह पहले समुद्र तट पर तीन लड़कियों के साथ बलात्कार हुआ, ओडिशा सरकार ने क्या कार्रवाई की और बंगाल में अगर महिलाओं के साथ कुछ भी होता है तो हम इसे सामान्य मामला नहीं मानते, यह

एक गंभीर मामला है।' उन्होंने आगे कहा कि 'अगर ऐसा दूसरे राज्यों में भी होता है तो भी यह निंदनीय है। हमने उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा में भी ऐसे कई मामले देखे हैं, इसलिए सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। बता दें कि, ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली छात्रा के साथ दुर्गापुर में कुछ लोगों ने पर दुष्कर्म किया। छात्रा की हालत अब स्थिर बताई जा रही है, उसका अस्पताल में ही इलाज चल रहा है और उसने पुलिस को अपना बयान दे दिया है। यह घटना शोभापुर के पास स्थित मेडिकल कॉलेज परिसर में हुई। छात्रा रात में अपने एक पुरुष मित्र के साथ कॉलेज कैंपस के बाहर खाना खाने गई थी। इस दौरान कैंपस गेट के पास ही एक आरोपी ने उसे जबरन पीछे के सुनसान इलाके में खींच लिया और दुष्कर्म की वारदात को किया। इसके बाद बाकी आरोपियों ने भी घिनौने कृत्य को अंजाम दिया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'यह एक निजी कॉलेज है। तीन हफ़्ते पहले, ओडिशा में समुद्र तट पर तीन लड़कियों के साथ बलात्कार हुआ था। ओडिशा सरकार क्या कार्रवाई कर रही है?'उन्होंने घटना के लिए कॉलेज प्रशासन और छात्रा दोनों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'लड़की एक निजी मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही थी। वह रात के 12:30 बजे कैसे बाहर आ गई?

मेडिकल छात्रा से बलात्कार मामले में तीन आरोपियों को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार तीन लोगों को रविवार को एक अदालत ने 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया. आरोपियों पर सामूहिक बलात्कार और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं. दुर्गापुर के एसडीजेएम ने तीनों आरोपियों को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया.अभियोजन पक्ष के वकील ने कथित अपराध में संलिप्त अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के लिए पूछताछ के वास्ते उनकी पुलिस हिरासत का अनुरोध किया. ओडिशा की रहने वाली मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ शुक्रवार रात पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के बाहर कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया।

छात्रों से संवाद का एक वीडियो भी साझा

राहुल बोले-शिक्षा कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं बननी चाहिए...

नयी दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि भारत को ऐसी शिक्षा प्रणाली की जरूरत है जो देश की समृद्ध विविधता को प्रतिबिंबित करे और यह कुछ लोगों का विशेषाधिकार न बने. उन्होंने कहा कि यह स्वतंत्रता का आधार है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने यह भी कहा कि भारत को एक वैकल्पिक विनिर्माण प्रणाली बनाने की आवश्यकता है और इसके लिए अमेरिका या पेरू के साथ साझेदारी एक संभावित रास्ता हो सकता है. कांग्रेस नेता गांधी ने पेरू की पोंटिफिक्कल कैथोलिक यूनिर्विसटी और

यूनिर्विसटी ऑफ चिली के छात्रों के साथ बातचीत में शिक्षा, लोकतंत्र और भू-राजनीति पर केंद्रित एक गहन संवाद किया. कांग्रेस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर गांधी के हवाले से कहा, भारत को एक वैकल्पिक विनिर्माण प्रणाली बनाने की जरूरत है जो लोकतांत्रिक व्यवस्था में फले-फूले. इसलिए, पेरू या अमेरिका के साथ साझेदारी आगे का रास्ता हो सकता है. इसके साथ ही कांग्रेस ने दक्षिण अमेरिका में छात्रों के साथ गांधी के संवाद का एक वीडियो भी साझा किया. गांधी ने कहा, जब शिक्षा की बात आती है तो इसकी शुरुआत जिज्ञासा से होती है। और खुले विचारों से सोचने, बिना किसी डर या सामाजिक-राजनीतिक बंधनों के प्रश्न पूछने की आजादी से. शिक्षा कुछ चुनिंदा लोगों के लिए कोई विशेषाधिकार नहीं बननी चाहिए, क्योंकि यही स्वतंत्रता की असली बुनियाद है. भारत को ऐसी शिक्षा प्रणाली की जरूरत है ।

अनिल अंबानी ग्रुप के सीएफओ अशोक पाल गिरफ्तार, मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने की कार्रवाई

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी और कार्यकारी निदेशक अशोक कुमार पाल को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई फर्जी बैंक गारंटी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, अशोक पाल पर आरोप है कि उन्होंने समूह की कुछ कंपनियों के माध्यम से फर्जी बैंक गारंटी तैयार कराने और उससे वित्तीय लाभ हासिल करने की साजिश में भूमिका निभाई। जांच एजेंसी का कहना है कि इस मामले में कई दस्तावेजों और बैंक रिकॉर्ड की जांच जारी है। अशोक पाल की गिरफ्तारी अनिल अंबानी के कारोबारी साम्राज्य के लिए एक और झटका मानी जा रही है।

प्रियांक खरगे का सरकार पत्र

संघ को कॉलेज और पार्क में कार्यक्रम की न दी जाए अनुमति

बेंगलुरु/ एजेंसी

कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया से राज्य भर के सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों में आरएसएस की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है. उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां भारत की एकता और संविधान की भावना के विपरीत हैं. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र, प्रियंक ने चार अक्टूबर को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को लिखे एक पत्र में आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सरकारी और

सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ सार्वजनिक मैदानों पर भी अपनी 'शाखायें' चला रहा है, जहां 'नारे लगाए जाते हैं और बच्चों एवं युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं.' मुख्यमंत्री कार्यालय ने रविवार को यह पत्र मीडिया के साथ साझा किया. इसमें मुख्यमंत्री का एक नोट भी संलग्न है जिसमें अधिकारियों से इस पर विचार करने और इस संबंध में उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है. प्रियंक ने कहा कि संघ की विचारधारा 'भारत की एकता और धर्मनिरपेक्ष ढांचे के आदर्शों के विपरीत है.' मंत्री ने लिखा, जब लोगों के बीच नफ़रत फैलाने वाली विभाजनकारी ताकतें अपना सिर उठाती हैं। तो हमारा संविधान, जो अखंडता, समानता और एकता के मूल सिद्धांतों पर आधारित है, हमें ऐसे तत्वों पर अंकुश लगाने और राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को बनाए रखने का अधिकार देता है.

खिलाड़ियों में शोक की लहर

क्रिकेट के मैदान में एक और क्रिकेटर की मौत....

मुरादाबाद। यूपी के मुरादाबाद स्थित बिलारी में क्रिकेट मैदान पर खेलते-खेलते एक सीनियर खिलाड़ी की जिंदगी थम गई। रविवार को चल रहे वेटरन क्रिकेट मैच के दौरान 50 वर्षीय अहमर खां की गेंदबाजी करते वक्त हार्ट फेल होने से मौत हो गई। अहमर मुरादाबाद के एकता विहार कॉलोनी के रहने वाले थे। साथी खिलाड़ियों के अनुसार अहमर अपनी टीम की ओर से गेंदबाजी कर रहे थे तभी अचानक मैदान पर गिर पड़े। साथी खिलाड़ियों ने तुरंत उन्हें संभाला और अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस खबर के फैलते ही खेल प्रेमियों में शोक

की लहर दौड़ गई। अहमर खां लंबे समय तक दिल्ली के सुहानी क्लब और उत्तर प्रदेश की क्रिकेट टीम से खेल चुके थे। वे राज्य स्तर पर सीनियर क्रिकेटर के रूप में जाने जाते थे और कई मौकों पर मशहूर स्पिनर पीयूष चावला के साथ भी मैदान साझा कर चुके थे।

राम मंदिर के शिखर पर लहराएगा 'सूर्यवंशी ध्वज', पीएम मोदी करेंगे ध्वजारोहण

अयोध्या। भव्य राम मंदिर के 191 फीट ऊंचे शिखर पर फहराए जाने वाले ध्वज का आकार-प्रकार और रंग-रूप अंतिम रूप से तय कर लिया गया है। विवाह पंचमी के पावन अवसर पर 25 नवंबर को आयोजित होने वाले भव्य ध्वजारोहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं इस ऐतिहासिक ध्वज को शिखर पर स्थापित करेंगे। यह महत्वपूर्ण निर्णय शुक्रवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की धार्मिक समिति की बैठक में लिया गया। ट्रस्ट द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मंदिर के शिखर पर त्रिकोणीय आकार का, 22 फीट लंबा और 11 फीट चौड़ा भगवा ध्वज लहराएगा।

भाजपा ने बार-बार अपनी ही मुस्लिम आबादी को निशाना बनाया

महबूबा ने तालिबान-शासित अफ़ग़ानिस्तान के मंत्री के स्वागत को लेकर भाजपा पर निशाना साधा.....

श्रीनगर/ एजेंसी

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत सरकार पर रविवार को निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ भारत के मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर तालिबान-शासित अफ़ग़ानिस्तान को अपनाया जा रहा है, यह पार्टी के आंतरिक पाखंड को दर्शाता है. उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारत ने अफ़ग़ानिस्तान के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने का फैसला किया है और वहां के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी भारत दौरे पर हैं. उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाते हुए कहा, ज'लव जिहाद', 'जमीन जिहाद', 'वोट जिहाद' और 'गाय जिहाद' के नाम पर, भाजपा ने बार-बार अपनी ही मुस्लिम आबादी को निशाना बनाया है और उन्हें बदनाम करने वाले बयान फैलाए हैं. वहीं दूसरी ओर भाजपा के नेतृत्व में लोकतंत्र की जननी भारत ने जिहाद के अग्रदूत तालिबान को अपनाने का फैसला किया है. उन्होंने कहा कि भारत ने अफ़ग़ानिस्तान के पुर्निनर्माण के लिए हर तरह की सहायता देने का फैसला किया है, जिसमें अफ़ग़ान

छात्रों को शैक्षिक छात्रवृत्ति प्रदान करना भी शामिल है. पीडीपी अध्यक्ष ने आरोप लगाया, अफ़ग़ानिस्तान के साथ अच्छे संबंधों को बलूढ़ावा देना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन यह एक विरोधाभास को भी जन्म देता है, क्योंकि देश की आजादी, पहचान और प्रगति में योगदान देने वाली भारत की अपनी मुस्लिम आबादी को व्यवस्थित रूप से हाशिये पर डाला जा रहा है. उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा मुस्लिम छात्रों के लिए छात्रवृत्ति वापस लेना और मदरसे बंद करना इस आंतरिक पाखंड की याद दिलाता है. पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंध बनाए रखना जरूरी है, लेकिन एक स्थिर और सामंजस्यपूर्ण राष्ट्र की नींव अपनी सीमाओं के भीतर, खासकर अपने अल्पसंख्यक समुदाय के साथ विश्वास, सम्मान और समानता को बढ़ावा देने में निहित है.

पाकिस्तान और अफगानिस्तान सीमा पर तनाव चरम पर पहुंच गया

तालिबान का 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा,पाकिस्तानी ने जवाबी कार्रवाई से इनकार किया

नई दिल्ली/ एजेंसी

अफ़ग़ानिस्तान में पाकिस्तानी हवाई हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई में 58 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने के तालिबान के दावे से पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान सीमा पर तनाव चरम पर पहुंच गया है। तालिबान ने पाकिस्तान पर आईएसआईएस आतंकवादियों को पनाह देने का भी आरोप लगाया है। तालिबान प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने रविवार को एक बयान में दावा किया कि बहरामपुर जिले में डूरंड रेखा के पास जवाबी हमलों में कम से कम 58 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 30 से ज्यादा घायल हुए। उन्होंने पाकिस्तान को किसी भी 'हमले का जवाब दिए बिना न छोड़ने' की चेतावनी दी। मुजाहिद ने पाकिस्तान पर सीधा और गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, 'पाकिस्तान ने अपनी धरती पर आईएसआईएस की मौजूदगी पर आंखें मूंद ली हैं। पाकिस्तान को अपनी धरती से छिपे हुए आईएसआईएस के महत्वपूर्ण सदस्यों को बाहर निकालना चाहिए या उन्हें इस्लामिक अमीरात को सौंप देना चाहिए।' उन्होंने दावा

किया कि तालिबान ने अपने क्षेत्र से अशांति फैलाने वालों को हटा दिया है, लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के पश्तूनख्वा में नए केंद्र स्थापित कर लिए हैं। मुजाहिद ने दस्तावेजी सबूत होने का दावा करते हुए कहा कि कराची और इस्लामाबाद हवाई अड्डों के जरिए रंगरूटों को प्रशिक्षण के लिए लाया जाता था और अफ़ग़ानिस्तान में हमलों की योजना इन्हीं केंद्रों से बनाई जा रही है। मुजाहिद ने स्वीकार किया कि इन झड़पों में इस्लामिक अमीरात बलों के भी 20 से ज्यादा सदस्य मारे गए या घायल हुए। जवाबी हमलों का बचाव करते हुए उन्होंने दोहराया, 'अफ़ग़ानिस्तान को अपनी हवाई और जमीनी सीमाओं की रक्षा करने का अधिकार है और वह किसी भी हमले का जवाब दिए बिना नहीं रहेगा।' मुजाहिद ने कहा कि कतर और सऊदी अरब के अनुरोध पर अंततः हवाई हमले रोक दिए गए थे। दूसरी ओर, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अफ़ग़ानिस्तान के भीतर हुए हवाई हमलों की निंदा की। हालांकि, उन्होंने तालिबान के हमलों के दावे को नकारते हुए कहा कि पाकिस्तानी सेना ने न केवल अफ़ग़ानिस्तान के उकसावे का करारा जवाब दिया। बल्कि उनकी कई चौकियां भी नष्ट कर दीं, जिससे उन्हें पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। शरीफ ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान अपनी रक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं करेगा और हर उकसावे का कड़ा और प्रभावी जवाब दिया जाएगा।

लालू के साथ दिल्ली पहुंचे तेजस्वी

सीट बंटवारे को लेकर बातचीत जारी-लालू....

पटना। बिहार में इंडिया गठबंधन की सीट शेयरिंग फंसे पेंच को सुलझाने के राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद और उनके पुत्र तथा उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव रविवार को दिल्ली पहुंच गए। उनके साथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह भी दिल्ली पहुंचे हैं। संभावना है कि तेजस्वी यादव आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात करेंगे। संभावना है कि इस बातचीत के दौरान इंडिया गठबंधन में शेयरिंग पर सारी उलझन सुलझ जाए। वहीं लालू और तेजस्वी यादव

को कल यानी 13 अक्तूबर को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई लिए उपस्थित भी होना है। दोनों लैंड फॉर जॉब केस में कोर्ट में पेश होंगे। इधर, पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों के सवाल पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने कोई भी जवाब नहीं दिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी अमोरा में बैराज एवं सिंचाई सुविधा बसनी में मिडिल स्कूल की सौगात

बेमेतरा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बेमेतरा प्रवास के दौरान जिलेवासियों को कई नई विकासात्मक घोषणाओं की सौगात दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण अंचलों के समग्र विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि प्रत्येक गाँव को बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा जा सके। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बेमेतरा विकासखंड के ग्राम अमोरा में बैराज निर्माण एवं सिंचाई सुविधा विस्तार की घोषणा की। इस परियोजना के माध्यम से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा और सिंचाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे किसानों को रबी एवं खरीफ दोनों फसलों की बेहतर उत्पादन संभावनाएँ मिलेंगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री साय ने बेमेतरा वी.स. में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र की स्थापना की भी घोषणा की, जिससे ग्रामीण अंचलों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि बिजली गाँवों की प्रगति की रीढ़ है, और राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर खेत, हर घर तक विश्वसनीय बिजली पहुँचे। मुख्यमंत्री ने आगे ग्राम बसनी में नवीन मिडिल स्कूल की स्थापना की घोषणा करते हुए कहा कि शिक्षा ही विकास की असली आधारशिला है। नए विद्यालय से आसपास के गाँवों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुविधा उपलब्ध होगी और उन्हें अब दूरस्थ स्थानों पर पढ़ाई के लिए नहीं जाना पड़ेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता गाँव-गाँव तक शिक्षा, सिंचाई, ऊर्जा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सुविधाएँ पहुँचाने की है।

उन्होंने कहा कि बेमेतरा जिले में किए जा रहे विकास कार्य प्रदेश के अन्य जिलों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे। अमोरा एवं बसनी की घोषणाओं के साथ मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इन योजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान हितग्राही सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप चेक और स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंच से ही हितग्राहियों को प्रत्यक्ष लाभ का प्रतीक स्वरूप चेक एवं चाबियाँ प्रदान कीं। इस अवसर पर वय वंदन योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को लाभ प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत चयनित हितग्राहियों को गृह प्रवेश की चाबियाँ सौंपी गई।

वहीं, महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से लक्ष्मी महिला स्व-सहायता समूह को 3 लाख की राशि का चेक प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शासन की योजनाएँ तभी सार्थक हैं जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। उन्होंने हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

संघ का उद्देश्य चरित्र निर्माण करना देशभर में 65 हजार शाखाएं

1925में महाराष्ट्र नागपुर से इसकी शुरुआत हुई

भिलाई/राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 27 सितंबर1925 में डॉ. केशव हेडगेवार द्वारा किया गया था।आज संघ को 100 वर्ष पूर्ण हो गए।इसी अवसर को लेकर जगह जगह संघ के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में रविवार को भिलाई हाउसिंग बोर्ड में संघ की सभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मौजूद अतिथियों ने संघ के गठन पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि,संघ देश और समाज के हितों के लिए कार्य करता है.संघ का उद्देश्य चरित्र निर्माण करना है।

गिरदावरी कार्य की सर्वे सूची का पठन आयोजित किया गया विशेष ग्राम सभा में

दल्लीराजहरा। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी एग्रीस्टैक परियोजना अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित विशेष ग्राम सभा के अवसर पर डिजिटल फसल सर्वेक्षण कार्य के अंतर्गत गिरदावरी कार्य की सर्वे सूची का पठन किया गया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर दिव्या मिश्रा के निर्देशानुसार गिरदावरी कार्य के सर्वे सूची का पठन हेतु जिले के सभी विकासखण्ड के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में निर्धारित तिथियों में निरंतर विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में आयोजित विशेष ग्राम सभा के दौरान गिरदावरी सर्वे सूची के पठन के अलावा भविष्य में आने वाले जल संकट से निपटने तथा जल संरक्षण के उपाय सुनिश्चित करने हेतु कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के द्वारा कृषकों एवं ग्रामीणों को धान के बदले दलहन, तिलहन एवं अन्य फसल लगाने की समझाईश दी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि धान के फसल में अन्य फसलों की अपेक्षा बहुत अधिक पानी की खपत होती है। इसके अलावा ग्रीष्म ऋतु में धान की फसल के उत्पादन के लिए केवल भूजल पर ही निर्भर रहना पड़ता है।

जिसके फलस्वरूप भूजल का अत्यधिक दोहन होने से भूजल का स्तर लगातार बहुत नीचे जा रहा है। उल्लेखनीय है कि एग्रीस्टैक परियोजना अंतर्गत गिरदावरी कार्य की सर्वे सूची का पठन हेतु ग्राम तरौद, बघमरा, गोड़पार एवं टेकापार, डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम मटिया, सिर्राभाठा, डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम मरकाटोला, जमही, वनपंडेल, मगरदाह, कुर्रूटोला, ढोरीठेमा, किसनपुरी, कुर्सीटिकुर, चिहरो, खैरवाही सहित जिले के सभी तहसीलों के विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित विशेष ग्राम सभा के माध्यम से पटवारियों एवं ग्राम पंचायत सचिवों के द्वारा गिरदावरी सूची का पठन किया गया। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के निर्देशों के अनुरूप जिले में किसानों के फसलों का डिजिटल सर्वेक्षण मोबाइल ऐप के माध्यम से रियल टाइम में किया गया, जिसमें खेत की भौगोलिक स्थिति के साथ फसल की फोटो अपलोड की गई है। राज्य शासन द्वारा भू-नक्शों के जीव-रिफ्रेसिंग के पश्चात अब त्रुटिरहित फसल सर्वेक्षण संभव हुआ है। इस पहल का उद्देश्य त्रुटिरहित फसल गिरदावरी सुनिश्चित करते हुए किसानों के फसलों की सटीक और तकनीकी जानकारी एकत्रित करना है, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं दक्षता सुनिश्चित की जा सके।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण में किसानों की फसलों की सभी जानकारियां एग्री स्टैक पोर्टल में दर्ज की गई है। जिससे किसानों को फसल उत्पादकता के लिए जरूरी इनपुट जैसे फसल ऋण, विशेषज्ञों की सलाह से लेकर बाजार उपलब्ध कराने में एग्री स्टैक पोर्टल से मदद मिलेगी। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

विकास ही लक्ष्य, जनता ही प्रेरणा: पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने 49 लाख से अधिक के कार्यों का किया भूमिपूजन

ग्रामीण सुविधाओं और अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक और कदम, गांव-गांव तक पहुंचेगा विकास का प्रकाश

कवर्धा/पंडरिया। जनता की सुविधा और ग्रामीण अंचलों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देते हुए पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में विधायक भावना बोहरा ने एक बार फिर विकास की नई इबारत लिखी है। शुक्रवार को उन्होंने 49 लाख 52 हजार रुपए से अधिक लागत के विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान गोरखपुर खुर्द, बनिया, डुमरिया, मजगांव और रणजीतपुर गांवों में सीसी रोड, पुलिया, भवन निर्माण और विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण जैसे कई कार्यों का शुभारंभ हुआ। ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत कर क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों के लिए आभार जताया। विधायक भावना बोहरा ने कहा कि यह सभी कार्य समृद्ध और सशक्त पंडरिया की आधारशिला हैं। पहले की सरकारों में जहां पंडरिया उपेक्षित रहा, वहीं अब डबल इंजन की भाजपा सरकार के सुशासन में यह क्षेत्र निरंतर विकास पथ पर अग्रसर है। ग्रामीण परिवारों की सुविधा और जीवन स्तर को सुधारना हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि आज गांव-गांव में सड़कों का जाल बिछ रहा है, हर गली में प्रकाश व्यवस्था हो रही है और स्वच्छता से लेकर पेयजल, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। विकास कार्य अब सिर्फ कागजों में नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहे हैं। भावना बोहरा ने कहा कि प्रदेश में पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के कारण अधोसंरचना निर्माण के कार्य तेज़ी से पूरे हो रहे हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है। महिला, युवा, किसान और वरिष्ठ नागरिक–सभी वर्गों के सशक्तिकरण के लिए योजनाएं धरातल पर लागू हो रही हैं, और इनके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिख रहे हैं, उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी जनता की सुविधा, स्वावलंबन और क्षेत्र की प्रगति के लिए उनके प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

पंडरिया में इन विकास कार्यों के भूमिपूजन के साथ ही यह स्पष्ट हो गया है कि विधायक भावना बोहरा का लक्ष्य केवल राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि जनता की सुविधा, सम्मान और सशक्तिकरण को स्थायी स्वरूप देना है।

आचार्य विद्यासागर महाराज के जन्म दिवस पर प्रसाद का वितरण

भिलाई / आचार्य विद्यासागर महाराज के जन्म दिवस पर गुरु गरिमा प्रसादी में आज रविवार को नेहरू नगर स्थित दिगम्बर जैन समाज ने नेहरू नगर चौक पर खिचड़ी हलवा के प्रसाद का वितरण किया।

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहन किया। आर्य का माता अक्षय मति एवम निर्मद मति माता के सानिध्य मे जैन समाज के अध्यक्ष मनित जैन संयोजक, जिनेन्द जैन, क्षितिज जैन, महावीर पाटनी, भागचंद पाटनी, चन्द्र कात, संदीप विध्याश्री, वन्दना जैन के द्वारा प्रसादी का वितरण किया।

राहुल टिकरिहा के स्वागत में युवा जोश उमड़ा, खैरागढ़ में निकली विशाल बाइक रैली

जिला भाजपा कार्यालय में हुआ भव्य स्वागत, टिकरिहा बोले- युवा मोर्चा है पार्टी की रीढ़

खैरागढ़। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा के प्रथम जिला आगमन पर शनिवार को युवा कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह देखने को मिला। जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष आयश सिंह बोनी के नेतृत्व में धरमपुरा से खैरागढ़ तक विशाल बाइक रैली निकाली गई, जो जिला भाजपा कार्यालय पहुँचकर स्वागत सभा में परिवर्तित हुई। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन कर की गई। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. बिशेषर साहू, पूर्व विधायक कोमल जंघेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि खम्हन ताम्रकार सहित वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष आयश सिंह ने स्वागत भाषण में कहा कि युवा मोर्चा प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाएगा। उन्होंने 2028 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की विजय सुनिश्चित करने का संकल्प दोहराया। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. बिशेषर साहू ने कहा कि संगीत नगरी खैरागढ़ में टिकरिहा का आगमन युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही 2028 में भाजपा की पुनः विजय का आधार बनेगी। जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान टिकरिहा ने अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया, उन पर 14 एफआईआर दर्ज हुई और जेल भी जाना पड़ा, फिर भी उनका हौसला कायम रहा। अपने संबोधन में राहुल योगराज टिकरिहा ने कहा कि युवा मोर्चा भाजपा की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रति निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए राम मंदिर निर्माण और 24 किमी सेतु परियोजना को भारत के स्वाभिमान का प्रतीक बताया। टिकरिहा ने कहा कि भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ में सुशासन के पथ पर अग्रसर है और युवा मोर्चा को इसमें अग्रणी भूमिका निभानी होगी। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री नवनीत जैन ने किया, जबकि ललित चोपड़ा ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में सैकड़ों युवा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। इस अवसर पर राहुल योगराज टिकरिहा को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में टीके चंदेल, घम्मन साहू, आलोक श्रीवास, नीलिमा गोस्वामी, गिरजा चंद्राकर, डॉ. राजेश्री त्रिपाठी, प्रकाश वर्मा, प्रकाश सिंह, शैलेन्द्र त्रिपाठी, शैलेन्द्र मिश्रा, जैनेन्द्र जंघेल, अनीश सिंह, प्रेमसागर गुप्ता, राकेश ठाकुर, जयप्रकाश साहू, मंजीत सिंह, अर्जुन क्षत्रिय, हर्षवर्धन वर्मा, वंदना तांडेकर, नीलिमा राजपूत समेत बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सहायक संचालक ने ली जिले के बीईओ, बीआरसी एवं प्राचार्यों की बैठक

एक पेड़ मां के नाम लक्ष्य को पूरा करने के लिए दिया समय, परख सर्वे के बारे में दी सम्पूर्ण जानकारी

बेमेतरा। नगर के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सहायक संचालक एस पी कोशले ने जिले के चारों विकासखंड के विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक और सभी प्राचार्यों की एक अति बैठक आवश्यक बैठक ली। इस बैठक में सहायक संचालक एसपी कोशले ने सभी प्राचार्यों को संबोधित करते हुए कहा कि एक पेड़ मां के नाम योजना के तहत हम अपने निर्धारित लक्ष्य से बहुत पीछे हैं। बार-बार निर्देश देने के बावजूद भी हम बहुत पीछे हैं। 100% लक्ष्य की पूर्ति करने सभी प्राचार्यों को सख्त निर्देश दिए। साथ ही साथ स्वच्छ एवं हरित विद्यालय के लिए भी उन्होंने कल तक का समय दिया। शाला त्यागी बच्चों की संख्यात्मक जानकारी भी सोमवार तक अनिवार्य रूप से भेजने सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया। शाला भवन की रंगाई पोताई अति शीघ्र कर फ्रंट का फोटो ग्रुप में भेजने कहा। साथ ही साथ आईसीटी का उपयोग निरंतर करने के निर्देश दिए। व्यवसायिक शिक्षा यू डाइस एंट्री को सभी प्राचार्य अति शीघ्र पूर्ण करें। अवकाश आवेदन संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि अवकाश पोर्टल में कोई भी आवेदन पेंडिंग ना रहे, इस बात का ध्यान रखें। कोई भी शिक्षक कर्मचारी अवकाश लेने हेतु ऑनलाइन ही आवेदन करेंगे वही मान्य होगा। त्रैमासिक परीक्षाफल के आधार पर विद्यार्थियों की ग्रेडिंग करें विषय वार और ओवल आल, खास तौर पर बोर्ड कक्षाओं की ग्रेडिंग करना अनिवार्य है। उच्च कार्यालय के समस्त निर्देशों का निर्धारित समय अवधि में पूर्ण करने की संस्कृति, न केवल अपनी शालाओं में बल्कि संकुल के समस्त शाला में विकसित करने सभी प्राचार्य को निर्देशित किया। सहायक संचालक एसपी कोशले ने कहा कि कार्य करने अथवा करवाने की क्षमता के आधार पर माह नवंबर से सभी प्राचार्यों, प्रभारी प्राचार्यों की ग्रेडिंग की जाएगी। यह प्रक्रिया आप अपने संकुल के शालाओं में अपनाये और अच्छे एवं कमजोर शालाओं की पहचान करें। सभी संकुल प्राचार्य प्रत्येक माह कम से कम एक बार संकुल के सभी शालाओं की मॉनिटरिंग करें एवं उन्हें क्षमता विकास हेतु लिखित आवश्यक सुझाव प्रदान करें। जाति निवास प्रमाण पत्र की प्रगति लक्ष्य एवं उपलब्धि की जानकारी अति शीघ्र दे। सरस्वती निशुल्क साइकिल वितरण योजना की भी जानकारी ली और कहा कि कहां-कहां वितरण नहीं हुआ है इसकी जानकारी तत्काल देवे। सर्विस बुक संधारण की अद्यतन स्थिति की जानकारी देवें। सर्विस वेरिफिकेशन वेतन वृद्धि अर्जित अवकाश मेडिकल अवकाश की प्रविष्टि आदि की अद्यतन स्थिति की जानकारी तत्काल देवे। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट बेमेतरा के व्याख्याता व परख सर्वे के जिला नोडल थलज कुमार साहू ने परख सर्वे से संबंधित जानकारी देते हुए बताया की आगामी महीना में परख सर्वे का कार्य जिले के चयनित स्कूलों में किया जाएगा। इसके लिए सभी प्राचार्य तैयार रहें। यह परीक्षा कक्षा 3 कक्षा 6 और कक्षा 9 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाती है। परख सर्वे के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए थलज कुमार साहू ने कहा कि बच्चों की उपलब्धि, उनकी दक्षता को जांचना ही इसका उद्देश्य है। बच्चों में मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान की कितनी समझ विकसित हुई है इसे जानना और समझना परख सर्वे का उद्देश्य है। इसमें तीन तरह के विद्यालयों को लिया जाता है पहला केंद्र सरकार द्वारा संचालित विद्यालय, दूसरा राज्य सरकार के द्वारा संचालित विद्यालय और तीसरा निजी विद्यालय। परख सर्वे का कार्य डाइट के छात्र अध्यापक फील्ड इन्वेस्टिगेटर के रूप में यह कार्य करते हैं। इस सर्वे के आधार पर यह आकलन किया जाता है कि हम किस क्षेत्र में कमजोर हैं। वर्ष 2024 में हुए परख सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक कक्षा नवमी के राष्ट्रीय उपलब्धि प्रतिशत के बराबर ही हमारी छत्तीसगढ़ राज्य की उपलब्धि का प्रतिशत है। कक्षा तीसरी में भाषा गणित और पर्यावरण में राष्ट्रीय औसत और छत्तीसगढ़ के औसत में बहुत कम अंतर है। जबकि कक्षा छठवीं की भाषा और गणित में हम अपेक्षाकृत राष्ट्रीय औसत से बहुत पीछे हैं इस पर बहुत ज्यादा काम करने की आवश्यकता है।

40 लाख की लागत से निर्मित अटल परिसर का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

बेमेतरा। प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जिला मुख्यालय में 40 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित अटल परिसर का लोकार्पण किया. इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक दीपेश साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू, जिला अध्यक्ष अजय साहू, भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, नपा उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, नगर पालिका सीएमओ नरेश वर्मा, पार्षद चांदनी रोशन दत्ता, गौरव साहू, आकिब मलकानी, विकास तंबोली आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतरत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेई छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता है उनके सम्मान में राज्य के सभी नगरी निकायों में अटल परिसर का निर्माण किया जा रहा है, अटल ने गांव, किसानों और नागरिकों के लिए ऐतिहासिक योजनाएं शुरू की थी। विधायक साहू ने कहा कि अटल छत्तीसगढ़ राज्य के वास्तविक निर्माता हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनता की वर्षों पुरानी आकांक्षा को समझा और उसे साकार कर एक नया इतिहास रचा। हम उनके आदर्शों और योगदान को स्मरण करते हुए उनकी प्रतिमा एवं परिसर का लोकार्पण कर रहे हैं। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि यह परिसर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की स्मृति को सजीव रखने के लिए बनाया गया है छत्तीसगढ़ के विकास में अटल की भूमिका को याद करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश ने नई दिशा पाई। वर्षों से हमारे पूर्वज यह सपना देखते आ रहे थे कि हमारा छत्तीसगढ़ एक अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आए, पर उसे पूरा करने का ऐतिहासिक कार्य अटल जी ने किया। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार हर वादा पूरा कर रही है विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण कर रही है। किसान नेता तिवारी ने कहा कि अटल कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना से ग्रामीण विकास और किसानों को शून्य ब्याज पर ऋण संभव हुआ, उन्होंने ही छत्तीसगढ़ राज्य के गठन की नींव रखी थी।

संक्षिप्त समाचार

एम्स रायपुर में 11 साल बाद पार्किंग शुल्क लागू,मरीजों और परिजनों में भारी नाराज़गी

रायपुर। खिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर में 11 वर्षों के बाद एक बार फिर पार्किंग शुल्क वसूली शुरू कर दी गई है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों में आक्रोश की लहर है। रोज़ाना करीब 4,000 मरीजों की ओपीडी में आमद वाले इस प्रतिष्ठित संस्थान में अब परिसर में प्रवेश करते ही 10 से 50 रुपये तक की वसूली की जा रही है। पार्किंग शुल्क को लेकर मरीज और उनके साथ आए लोग कर्मचारियों से उलझते दिख रहे हैं। दूसरी ओर, ऑटो चालकों ने भी किराया 30 से 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है, जिससे इलाज के लिए आने वालों पर आर्थिक बोझ और बढ़ गया है। एम्स प्रबंधन का कहना है कि वाहनों की अत्यधिक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए यह ठेका दिया गया है, लेकिन अस्पताल में आने वालों का कहना है कि इलाज से पहले पार्किंग शुल्क देना अब एक नई परेशानी बन गया है। कई मरीजों ने बताया कि कर्मचारियों से सवाल पूछने पर धमकाया भी जा रहा है। परिसर में जगह-जगह 'एसएस मल्टीसर्विसेस एम्स रायपुर' नामक कंपनी के बैनर लगे हैं, जो पेड़ों, दीवारों और पुलिस बैरिकेड्स तक पर देखे जा सकते हैं। बिना शुल्क चुकाए अस्पताल में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है, जिससे गेट पर मरीजों को लंबी बहस करनी पड़ रही है। एक मरीज ने गुस्से में कहा, हम पहले ही इलाज के लिए जूझ रहे हैं, ऊपर से ये नया खर्चा और तकरार। पहले ऐसा कभी नहीं था। ठेकेदार की आपराधिक पृष्ठभूमि को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, चीना पांडे लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त है और उस पर जिला बदर की कार्रवाई भी हो चुकी है। अब उसके लोग एम्स जैसे संवेदनशील स्थान पर तैनात हैं, जिससे परिसर में हिंसा की आशंका बनी हुई है। ऑटो चालकों ने भी बताया कि गेट के अंदर जाने पर 30 रुपये अलग से देने पड़ते हैं, इसलिए वे भाड़ा बढ़ाने को मजबूर हैं। इससे मरीजों और चालकों के बीच झगड़े हो रहे हैं। इस पूरे मामले पर एम्स के जनसंपर्क अधिकारी मृत्युंजय राठौर ने कहा कि वाहनों की अधिकता से अव्यवस्था फैल रही थी, जिसे रोकने के लिए ठेका दिया गया है। हालांकि, उन्होंने ठेकेदार की पृष्ठभूमि पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

जहरीले कप सिरप से बच्चों की हुई मौत के मामले में केंद्र सरकार ने प्रभावित राज्यों से 15 दिनों में रिपोर्ट मांगी

रायपुर। मप्र, छग, राजस्थान व झारखंड में कप सिरप से बच्चों की लापरवाहीपूर्वक हुई मौत पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने सख्त रूप अपनाये जाने की जानकारी देते हुए मंत्रालयीन सूत्र से ज्ञात हुआ कि सरकार इस मुद्दे पर गंभीर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रभावित राज्यों छग मप्र राजस्थान एवं झारखंड के मुख्यमंत्रियों एवं स्वास्थ्य मंत्रियों से उक्त मामले की जांच 15 दिन में पूर्ण कर स्वास्थ्य मंत्रालय को अवगत कराने के निर्देश दिये हैं। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने नकली दवा बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किये जाने के संकेत दिये है। उन्होंने जहरीले सिरप मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही देश भर की राज्य सरकारों द्वारा शासकीय चिकित्सालयों एवं अशासकीय चिकित्सालयों में दवा कंपनियों द्वारा आपूर्ति की जाने वाली दवाओं की जांच पड़ताल के लिए निर्देश जारी किये हैं। नड्डा के अनुसार ऐसी कंपनियां जो आमजनों के स्वास्थ्य के खिलाफ नकली दवाएं बना रही है। उन्हें ब्लेकलिस्टेड कर कार्रवाई के निर्देश भी स्वास्थ्य अधिकारियों को दिये है। स्वास्थ्य मंत्रालय को विभिन्न फार्मासिटिकल्स कंपनियों के बारे में कुछ चिकित्सकों ने भी पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। उसकी जांच भी जल्द करायी जाएगी। इधर दिल्ली में एक स्वयंसेवी संगठन द्वारा जहरीले सिरप के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर कर संपूर्ण देश में जहरीले सिरप की आपूर्ति पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की गई है।

छत्तीसगढ़ में धान तिहार की तारीखों का ऐलान,15 नवंबर से धान खरीदी

रायपुर। धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में धान तिहार को लेकर बड़ा ऐलान हो गया है। 15 नवंबर 2025 से धान की खरीदी होगी। इस दिन से प्रदेश में धान तिहार का आगाज होगा. अनुमान है कि इस बार 160 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा सकती है। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी। 10 तारीख को होने वाली कैबिनेट बैठक में धान उपार्जन नीति पर होगी चर्चा धान खरीदी शुरू होने से पहले राज्य सरकार की ओर से नई धान उपार्जन नीति और कस्टम मिलिंग नीति 2025-26 को मंजूरी दी जाएगी। इसका प्रारूप तैयार कर लिया गया है, जिसे दीपावली से पहले प्रस्तावित कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद नीति को तत्काल लागू कर दिया जाएगा। इस बार इस बात की भी चर्चा है कि सरकार धान खरीदी सोसाइटियों और मिलिंग करने वाले मिलरों को कुछ राहत देने जा रही है। इससे खरीदी और मिलिंग प्रक्रिया को और सुगम बनाने की दिशा में कदम उठाया जाएगा। धान बेचने के लिए इस बार किसानों को ऑनलाइन टोकन प्रणाली के तहत तुहर ऐप से टोकन मिलेगा। निर्धारित तारीख पर किसान आसानी से धान बेच सकेंगे7 पहले अवसर छोटे और सीमांत किसानों को दिया जाएगा ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपनी उपज बेच सके। पंजीकृत किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जाएगी। किसानों को प्रति क्विंटल 3100 का भुगतान किया जाएगा. इसके साथ ही प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी की सीमा तय की गई है। धान बेचने के इच्छुक किसानों का एग्रीस्टेक और एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन शुरू हो गया है।

डकैती मामले में नाबालिग समेत 6 गिरफ्तार

रायपुर। जिले की थाना भाटापारा ग्रामीण पुलिस ने ग्राम सूरजपुरा गेट के पास बैंक कर्मी की मोटरसाइकिल एवं नगदी रकम 1500 को लूटकर भागने वाले एक नाबालिग बालक सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि दिनांक 01.10.2025 को प्रार्थी रविशंकर वर्मा निवासी परशुराम वार्ड भाटापारा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया था कि जिला सहकारी बैंक निपनिया में रात्रि ड्यूटी कर अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 22 एसी 7075 से दिनांक 01.10.2025 को सुबह 5 वापस अपने घर आ रहा था। इसी दौरान सूरजपुरा गेट के पास 2 मोटरसाइकिल में आरोपी आए तथा प्रार्थी को रोक कर अश्लील गाली गलौज करते हुए हाथ मुक्का एवं बेल्ट से मारपीट किए हैं। साथ ही आरोपियों द्वारा प्रार्थी की मोटरसाइकिल एवं उसकी जेब में रखे 1500 को लूट कर फरार हो गए। रिपोर्ट पर थाना भाटापारा ग्रामीण में धारा 310(2),126(1),296,115(2) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सुशासन की नई पहल

ऑनलाईन छात्रवृत्ति और शिष्यवृत्ति भुगतान के लिए समय-सीमा निर्धारित

- एसटी, एससी, ओबीसी, अल्पसंख्यक तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए नई सुविधा
- तकनीकी एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रम में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को भी अब ऑनलाईन मिलेगी छात्रवृत्ति

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्य के शैक्षणिक संस्थानों, आश्रम-छात्रावासों और तकनीकी एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रम में पढ़ाई करने वाले अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृत्ति का भुगतान अब उनके बैंक खाते में ऑनलाईन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज मंत्रालय, महानदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में इन वर्गों के 1.98 लाख विद्यार्थियों के बैंक खातों में 84.66 करोड़ रूपए की शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृत्ति ऑनलाईन अंतरित की। प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि प्री. मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति तथा शिष्यवृत्ति भुगतान के लिए नयी व्यवस्था में माह जून, सितंबर, अक्टूबर एवं दिसंबर में विद्यार्थियों को ऑनलाईन भुगतान किया जाएगा। इस पहल से छात्रों को शैक्षणिक अध्ययन के दौरान होने वाली आर्थिक समस्या से निजात मिलेगी। छात्रवृत्ति पहले विद्यार्थियों को दिसंबर एवं फरवरी-मार्च में वर्ष में एक बार छात्रवृत्ति एवं शिष्यवृत्ति की राशि प्रदान की जाती थी। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय के

नेतृत्व में सुशासन की दिशा में लगातार हो रहे इन प्रयासों से शासन-प्रशासन को पूर्व की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक जवाबदेही एवं पारदर्शी बनाया गया है। श्री बोरा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय के हाथों आज आश्रम-छात्रावासों के 1 लाख 86 हजार 50 विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति की द्वितीय किश्त की राशि 79 करोड़ 27 लाख रूपए एवं पो. मैट्रिक छात्रवृत्ति के 12 हजार 142 विद्यार्थियों को 5 करोड़ 38 लाख 81 हजार रूपए विद्यार्थियों के बैंक खातों में राशि अंतरित की गई है। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति और छात्रवृत्ति ऑनलाईन भुगतान की शुरूआत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के हाथों पहली बार 10 जून 2025 को की गई थी। राज्य में संचालित सभी प्री. मैट्रिक छात्रावास एवं आश्रमों को शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पूर्व ही शिष्यवृति की प्रथम किश्त राशि 77 करोड़ रूपए एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में अध्ययनरत छात्रों हेतु भोजन सहाय की प्रथम किश्त के रूप में राशि 8.93 करोड़ रूपए, इस प्रकार कुल 85 करोड़ रूपए की राशि जारी कर एक अभिनव पहल की गई थी। साथ ही इसके दूसरे चरण में 17 जून 2025 को 8370 विद्यार्थियों को छात्रवृति की राशि 6.2 करोड़ रूपए का ऑनलाइन अंतरण किया गया था। इस अवसर पर आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, आदिम जाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विकास विभाग के आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर भी उपस्थित थे।

अपने देश के गौरव को बढ़ाना है तो स्वदेशी अपनाना होगा-विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह

- जगदलपुर में स्वदेशी मेला बना आत्मनिर्भर भारत का सशक्त प्रतीक, 20 राज्यों से आए 300 स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने

रायपुर। संवाददाता

देश की आत्मा में बसे स्वदेशी भाव को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से आयोजित स्वदेशी मेला के विशेष कार्यक्रम में बुधवार को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. रमन सिंह ने कहा कि भारत के गौरव को पुन: स्थापित करने के लिए स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि कभी भारत की जीडीपी विश्व की 23 प्रतिशत हुआ करती थी, क्योंकि लोग स्वदेशी उत्पादों का प्रयोग करते थे, लेकिन विदेशी वस्तुओं के अंधाधुंध प्रयोग से यह घटकर 2 प्रतिशत से भी कम तक सिमट गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे वोकल फॉर लोकल अभियान के सकारात्मक परिणाम शीघ्र ही देखने को मिलेंगे और भारत की अर्थव्यवस्था और भी मजबूती की ओर बढ़ेगी। डॉ. सिंह ने मेला प्रांगण का अवलोकन करते हुए डिजिटल भुगतान के माध्यम से एक सुंदर कालीन खरीदी और स्वदेशी उत्पादों की गुणवत्ता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह मेला केवल व्यापार नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के विचार को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त

माध्यम है। मेला संयोजक किशोर पारख ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि जगदलपुर में स्वदेशी मेला का आयोजन नगर के लिए गौरव की बात है। उन्होंने बताया कि इस मेले में देश के 20 से अधिक राज्यों के 300 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें हैंडलूम, हस्तशिल्प, जैविक उत्पाद, आयुर्वेदिक दवाएं, पारंपरिक परिधान और जनजातीय उत्पाद प्रमुख आकर्षण बने हुए हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरलीधर राव एवं आज के मुख्य अतिथि डॉ. रमन सिंह के आगमन को अभूतपूर्व बताया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को डॉ. रमन सिंह ने मंच पर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर उन्हें स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। मेला सह संयोजक देवेंद्र देवांगन ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि स्वदेशी मेला का उद्देश्य न केवल उत्पादों का प्रचार है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक उत्सव है जो देश की मिट्टी से जुड़ाव को मजबूत करता है। कार्यक्रम संचालन ब्रिज धुर्वे और हितप्रीता ठाकुर ने किया।

अपराध नियंत्रण में नई तकनीक एक सशक्त कदम-अरुण साव

- सिमगा में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने किया सिटी सर्विलांस का शुभारंभ
- अत्याधुनिक 40 सीसीटीवी कैमरों से शहर की हर गतिविधि पर रहेगी पैनी नजर

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने शुक्रवार को बलौदाबाज़ार-भाटापारा जिले के सिमगा नगर में सिटी सर्विलांस सिस्टम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने थाना परिसर में स्थापित सीसीटीवी सिटी सर्विलांस कक्ष का अवलोकन कर नगर की निगरानी व्यवस्था की जानकारी ली। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, कलेक्टर श्री दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता, जनपद अध्यक्ष श्री दौलत राम पाल, जनपद सदस्य श्री चंद्रप्रकाश टोंड्रे सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे। अपने उद्बोधन में उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार अपराध नियंत्रण और जनता की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग कर रही है। सिमगा नगर में सिटी सर्विलांस की शुरुआत इस दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि सिमगा नगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है, जहां कई औद्योगिक इकाइयाँ संचालित हैं और विभिन्न प्रांतों से लोग आते-जाते रहते हैं। ऐसे में किसी भी आपराधिक घटना के तुरंत बाद उसकी पहचान और अपराधियों की तलाश अब सीसीटीवी नेटवर्क से सहज और तेज़ हो जाएगी। उन्होंने बताया कि शहर में 40 उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए गए हैं, जो दिन-रात समान रूप से कार्य करने में सक्षम हैं और वाहन के नंबर प्लेट तक को स्पष्ट रूप से कैद कर सकते हैं। इससे अपराध नियंत्रण, दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा ट्रैफिक प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार आएगा। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि सिटी सर्विलांस व्यवस्था शहर की तीसरी आँख साबित होगी। अब किसी भी घटना पर तुरंत निगरानी रखी जा सकेगी और अपराधियों को पकड़ने में पुलिस को ठोस सबूत मिल सकेंगे। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री दीपक सोनी और पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता ने भी इस पहल को शहर की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया।

नल जल योजनाओं के 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण

जल जीवन मिशन में कार्य पूर्णता में रायपुर दूसरे स्थान पर-अरूण..

- जिले के 247 गांवों में योजना पूर्ण, पंचायतें कर रहीं जल आपूर्ति व्यवस्था का संचालन-संधारण

रायपुर। संवाददाता

हर घर नल से जल पहुंचाने की केंद्र सरकार और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन में कार्य पूर्णता के मामले में रायपुर जिला धमतरी के बाद राज्य में दूसरे स्थान पर है। यहां 95 प्रतिशत काम

पूर्ण कर लिया गया है। रायपुर जिले में मिशन के अंतर्गत शामिल 477 गांवों में से 247 में काम पूर्ण कर जल आपूर्ति प्रारंभ की जा चुकी है। इन गांवों में नल जल योजनाओं को संचालन और संधारण के लिए ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित की जा चुकी हैं। अब वहां ग्राम पंचायतें पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था का संचालन व संधारण कर रही हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, रायपुर के कार्यपालन अभियंता श्री अनिल कुमार बच्चन ने बताया कि मार्च-2026 तक रायपुर जिले के 126 और गांवों में सभी कार्यों को पूर्ण कर हर घर नल से जल की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन में रायपुर जिले के सभी 477 गांवों में हर घर नल से जल पहुंचाने की योजना बनाई गई है। इसके लिए कुल 393 पानी टंकिया बनाई जाएंगी जिनमें से 377 का निर्माण पूर्ण हो गया है तथा शेष 16 पानी टंकियां निर्माणाधीन हैं। बच्चन ने बताया कि रायपुर जिले में जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजनाएं बनाने तथा स्वीकृति का कार्य वर्ष 2020-21 में प्रारंभ हुआ था।

जनदर्शन में कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने दिव्यांग बिटिया को प्रदान किया व्हीलचेयर

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने आज कलेक्ट्रेट स्थित जनदर्शन कक्ष में रावांभाठा, बिरगांव निवासी कु. रागिनी यादव को व्हीलचेयर प्रदान किया। 15 वर्षीय कु. रागिनी स्पास्टिक सेरेब्रल पाल्सी के कारण हाथ पैर काम नहीं करता एवं बोलने में असमर्थ है। इसी कारण आज जनदर्शन में कलेक्टर डॉ सिंह को व्हीलचेयर की मदद हेतु आवेदन किया था जिसके पश्चात तत्काल कलेक्टर डॉ सिंह द्वारा समाज कल्याण विभाग को व्हीलचेयर के लिए निर्देशित किया था। परिजनों ने इस सहयोग के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि अब रागिनी को दैनिक कार्यों में मदद मिल पाएगी।

पीएम सूर्यघर योजना के प्रति लोगों में दिख रहा उत्साह

बिजली बिल से मिली अब राहत,हो रही अतिरिक्त आय- रितेश चंद्रवंशी

- उल्टा सूरज की रोशनी से आमदनी हो रही है सरकार का यह कदम गांव के लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुक्त बिजली योजना ने कबीरधाम जिले के दौजरी गाँव में एक नई क्रांति ला दी है। यह योजना अब केवल शहरी नहीं, बल्कि ग्रामीण अंचलों में भी लोगों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने का अवसर दे रही है। गाँव-गाँव में लोग अपनी छतों पर सोलर पैनल लगाकर न केवल बिजली बिल से राहत पा रहे हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के अभियान में अपनी भूमिका अदा कर रहे है। इस परिवर्तन की एक जीती-जागती मिसाल हैं दौजरी गाँव के निवासी श्री रितेश चंद्रवंशी। उन्होंने बिना देर किए प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का लाभ लिया और अपने घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित कराया। सौर ऊर्जा से उनके घर की बिजली की ज़रूरतें अब पूरी हो रही हैं, जिससे उन्हें हर महीने होने वाली 2000 से अधिक की बिजली बिल की बचत हो रही है। उनके लिए यह योजना सिर्फ़ बचत का साधन नहीं, बल्कि एक स्थायी समाधान बन गई है। रितेश ने बताया कि उन्हें केंद्र सरकार से 78,000 और राज्य सरकार से 30,000 की सब्सिडी मिली, जिससे सोलर सिस्टम लगवाना किफायती और आसान हो गया। वे कहते हैं अब न तो बिजली बिल की चिंता है, न बिजली कटने की परेशानी। उल्टा सूरज की रोशनी से आमदनी हो रही है। सरकार का यह कदम गांव के लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की दूरदृष्टि और शासन की प्राथमिकता में शामिल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की यह पहल ग्रामीण अंचल में नई चेतना फैला रही है। इस योजना के तहत उपभोक्ताओं की खपत के अनुसार 45,000 से 1,08,000 तक की सब्सिडी दी जा रही

है, जिससे 1 से 3 किलोवाट के सोलर सिस्टम अब मध्यमवर्गीय और निम्न आय वर्ग के परिवारों की पहुंच में हैं। श्री रितेश बताते है कि पहले हर महीने बिजली बिल का बोझ दिमाग पर रहता था, लेकिन अब सौर ऊर्जा से हमें न केवल आर्थिक राहत मिली है, बल्कि यह जानकर खुशी होती है कि हम पर्यावरण संरक्षण में भी सहयोग दे रहे हैं। श्री रितेश की यह पहल अब पूरे गाँव के लिए एक प्रेरणास्रोत बन गई है। उनकी सफलता को देखकर दौजरी और आसपास के क्षेत्रों के कई लोग भी अब इस योजना के तहत सोलर पैनल लगवाने के लिए आगे आ रहे हैं। बिजली विभाग को लगातार ऑनलाइन आवेदन मिल रहे हैं, जो स्पष्ट रूप से जिले में इस योजना के प्रति लोगों के भारी उत्साह को दर्शाता है। जिला प्रशासन और बिजली विभाग भी आम नागरिकों को योजना की सही जानकारी देने और आवेदन प्रक्रिया में मदद करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। कबीरधाम जिला अब स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से कदम बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना यहाँ के लोगों के लिए उज्जवल भविष्य की नई किरण साबित हो रही है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से घर-घर पहुंच रही सौर ऊर्जा

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने आम नागरिकों को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाया है। शासन द्वारा दी जा रही सब्सिडी और आसान बैंक ऋण सुविधा से अब हर घर की छत पर सौर ऊर्जा का उजाला फैल रहा है। इसी कड़ी में मुंगेली नगर पालिका के दीनदयाल उपाध्याय वार्ड दाउपारा निवासी श्री शेख साजिद ने इस योजना का लाभ उठाते हुए अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है। अब उनके घर की सारी विद्युत जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी हो रही हैं, जिससे बिजली बिल में उल्लेखनीय बचत हो रही है। श्री साजिद ने बताया कि शासन की इस योजना ने मध्यम वर्गीय परिवारों को बड़ी राहत दी है।

संपादकीय

ज्यादातर शर्तें इजराइल के पक्ष में है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बीस सूत्री शांति योजना की कुछ शर्तों पर हमास की ओर से सहमति जताना वास्तव में महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम है। इसे गाजा में शांति कायम होने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि इजराइल पहले ही इस योजना पर आगे बढ़ने को लेकर अपनी इच्छा जता चुका है। अब इजराइली सेना ने कहा है कि वह इस योजना के पहले चरण के लिए तैयारियां तेज करेगी। मगर, इजराइल की ओर से शनिवार को गाजा पर फिर हमला किए जाने की खबरों ने शांति के इन प्रयासों की राह में विरोधाभास पैदा कर दिया है। जब हमास की सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद अमेरिका ने इजराइल को गाजा पर हमले तुरंत रोकने को कहा। हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि इस ताजा हमले के पीछे स्थानीय कारण हो सकते हैं और इसे शांति के मार्ग में बाधा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। मगर, ऊहापोह की इस स्थिति में इतना तय है कि अगर इजराइल और हमास एक-दूसरे पर फिलहाल हमले बंद करने का सैद्धांतिक तौर पर कोई ठोस निर्णय नहीं लेते हैं, तो इस योजना पर आगे बढ़ना आसान नहीं होगा। अमेरिकी प्रस्ताव पर हमास ने अपने बयान में कहा है कि वह बंधकों को रिहा करने और सत्ता अन्य फिलिस्तीनियों को सौंपने के लिए तैयार है। हालांकि, इस बयान में हमास के हथियार डालने के संबंध में कोई उल्लेख नहीं किया गया है, जो अमेरिकी प्रस्ताव में शामिल इजराइल की एक प्रमुख मांग थी। इसके साथ ही हमास ने प्रस्ताव की अन्य शर्तों पर कहा है कि इन्हें लेकर संगठन के भीतर कुछ विरोधाभास है, जिन पर विस्तृत चर्चा करने की जरूरत है। यानी हमास अभी इस प्रस्ताव पर पूरी तरह सहमत नहीं है। जाहिर है कि वह किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले प्रमुख शर्तों के तात्कालिक एवं दूरगामी प्रभावों और आशंकाओं का आकलन करना चाहता है। अब सवाल यह है कि इजराइल ने बिना देर किए अमेरिकी प्रस्ताव पर तत्काल सहमति कैसे और क्यों जता दी ! इसका जवाब प्रस्ताव की शर्तों में ही छिपा है। माना जा रहा है कि ज्यादातर शर्तें इजराइल के पक्ष में है और जहां उसे संदेह है, वहां कोई बीच का रास्ता निकालने की गुंजाइश बनी रहेगी। इजराइल-हमास युद्ध में मरने वालों की संख्या 67,000 से अधिक हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि गाजा में शांति की इस पहल को एक अवसर के रूप लिया जाना चाहिए और दोनों पक्षों को इस पर बिना किसी संकोच के आगे बढ़ना चाहिए। साथ ही इस बात पर जोर दिया है कि अगर इजराइल ने गाजा में बमबारी तुरंत नहीं रोकी, तो शांति की कोशिशें पटरी से उतर सकती हैं। ऐसे में जानकारों का कहना है कि इस तरह के हमले जारी रहने से शांति योजना को जमीन पर उतारना आसान नहीं होगा। इसलिए जरूरी है कि दोनों पक्षों की ओर से धैर्य और संयम बरता जाए। इजराइल और हमास के बीच करीब दो वर्षों से जारी युद्ध में मरने वालों की संख्या 67,000 से अधिक हो गई है, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। इसलिए जरूरी है कि मानवीय संवेदनाओं को केंद्र में रखकर इस युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाए जाएं।

1 जुलाई, 2017 को भारत में दशकों का सबसे साहसिक आर्थिक सुधार हुआ। मानसून की उस एक सुबह, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने 17 अलग-अलग करों और 13 उपकरों को एक एकीकृत ढांचे के साथ बदल दिया, जिससे मूल रूप से देश की राजकोषीय संरचना को नया आकार मिला। यह केवल एक कर सुधार नहीं था, यह एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की ओर भारत की साहसिक यात्रा की शुरुआत थी। आठ साल बाद अब यह परिवर्तन किसी असाधारण घटना से कम नहीं लगता है। कर संग्रह 2017-2018 के 7.19 लाख करोड़ रुपये से तीन गुना बढ़कर 2024-2025 में 22.08 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ तीन गुना हो गया है।

जीएसटी 2.0 - भारत के वस्त्र क्षेत्र के सपनों को वास्तविकता में बदलने परिवर्तन का एक सूत्र

(गिरिराज सिंह, केंद्रीय मंत्री)

घरों में दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएं, दवाओं और शिक्षा सामग्री की आपूर्ति पर 0 से 5 प्रतिशत के बीच कर लगने से परिवारों को अधिक बचत होगी, जबकि किसानों को ट्रैक्टरों, टायरों, कीटनाशकों और सिंचाई उपकरणों पर कम जीएसटी लगने से अधिक लाभ प्राप्त होगा जिससे इनपुट लागत में कमी आएगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी। इसके साथ ही ऑटो सेक्टर को भी इससे बड़ी राहत मिली है क्योंकि स्कूटर और कारों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। अब 2,500 रुपये तक की कीमत वाले (पहले 1,000 रुपये) रेडीमेड कपड़ों पर भी केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। मैंने एक कॉलेज छात्र से बातचीत की और जब उससे कपड़ों के बारे में पूछा तो उसने कहा, अब त्योहारों की खरीदारी ने मेरी जेब पर पड़ने वाले बोझ को बहुत कम कर दिया है। अब उसी बजट से मैंने एक की बजाय दो ट्रेंडी शर्ट खरीदीं हैं। मुझे जीएसटी स्लैब के बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि अब कपड़े खरीदना अधिक सस्ता हो गया है। इसके विपरीत, पान मसाला, तंबाकू, ऑनलाइन गेम्स, लग्जरी एसयूवी और कैसिनो जैसे लग्जरी और डिमेरिट सामान अब 40 प्रतिशत स्लैब के अंतर्गत आते हैं। इस सुधार ने 'फिट इंडिया, हेल्दी इंडिया' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए उत्तरदायी उपभोग को बढ़ावा दिया है, जो बचत का एक वास्तविक स्वरूप है।

और जैसे इन सुधारों से परिवारों, किसानों और उद्योगों को राहत मिलती है, वैसे ही ये हमारे वस्त्र क्षेत्र को भी नई ताकत देते हैं। जीएसटी 2.0 वस्त्र उद्योग के पूर्ण परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है, जो कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार उपलब्ध कराने वाला क्षेत्र है और आत्मनिर्भर भारत का एक जीवंत उदाहरण है। जीएसटी 2.0, 350 बिलियन डॉलर के वस्त्र उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

भारत में वस्त्र उद्योग बहुत बड़ा है, जो आजीविका और निर्यात दोनों को प्रभावित करता है। आज, इस उद्योग का आकार 179 बिलियन डॉलर है और यह 4.6 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है, जिनमें से अधिकांश महिलाएं हैं। अब सरकार का लक्ष्य 2030 तक इस उद्योग के आकार को लगभग दोगुना करके 350 बिलियन डॉलर करना है, जिससे देश भर के परिवारों के लिए रोजगार और आय के और भी अधिक और नए अवसर पैदा होंगे।

भारत का संगठित घरेलू वस्त्र बाजार लगभग 142 से 145 बिलियन डॉलर का है और जब हम इसमें बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्र को शामिल करते हैं, तो यह 155 से 160 बिलियन डॉलर के करीब हो जाता है। करों की दर को युक्ति संगत बनाने जैसे अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की शुरुआत के साथ एवं फाइबर-तटस्थ व्यवस्था को अपना कर निर्माता अब बचत का लाभ सीधे खरीददारों को दे सकते हैं। उपभोक्ताओं, विशेषकर मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए, जिनका 2047 तक भारत के लक्षित उपभोक्ता आधार का 60

प्रतिशत बनाने की उम्मीद है उनके लिए ये सुधार सबसे बड़ा लाभ लाएंगे। निम्न आय समूहों के साथ मिलकर, स्थानीय उद्योग को समर्थन देते हुए आवश्यक वस्त्रों के अधिक किफायती बनने से हर साल लगभग 8 से 10 बिलियन डॉलर की बचत होने का अनुमान है। ये सुधार कीमतों को कम करने से कहीं बढ़ कर है और यह सही मायनों में फैशन को और अधिक लोकप्रिय बनाने का प्रतिनिधित्व करता है।

वस्त्र क्षेत्र के लिए जीएसटी 2.0 के सबसे बड़े बदलावों में से एक लंबे समय से चले आ रहे इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर को ठीक करना है, जिसने मानव निर्मित फाइबर क्षेत्र को कमजोर कर दिया था। इससे पहले, मानव निर्मित रेशों पर 18 प्रतिशत, सूत पर 12 प्रतिशत और कपड़ों पर केवल 5 प्रतिशत कर लगाया जाता था। इस संरचना ने कच्चे माल को तैयार उत्पादों की तुलना में महंगा बना दिया, जिससे कार्यशील पूंजी अवरुद्ध हो गई और नया निवेश बाधित हुआ। जीएसटी 2.0 में अब मानव निर्मित क्षेत्र में एक समान 5 प्रतिशत कर है, जो सही अर्थों में फाइबर तटस्थ इकोसिस्टम सृजित कर रहा है। लाखों एमएसएमई के लिए, जो भारत के वस्त्र उद्योग का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा हैं, यह एक बड़ी राहत है। यह मानव निर्मित फाइबर क्षेत्र के लिए वैश्विक केंद्र बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को मजबूत करता है और प्रतिवर्ष उत्पादित 22,000 मिलियन परिधानों को कम इनपुट लागत, बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा और अधिक बाजार मांग के साथ निर्मित करने में सक्षम बनाता है। यह सुधार न केवल कपड़ों को सस्ता बनाएगा और निर्यात को बढ़ावा देगा, बल्कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपने को भी मजबूत करेगा, जो हमारी विरासत और विकास दोनों को आगे बढ़ाएगा। एक उदाहरण से इसे समझते हैं। इससे पहले सूरत में महिलाओं की सिलाई इकाई में मानव निर्मित फाइबर और धागे की लागत इतनी अधिक थी कि उनका लाभ मार्जिन कम हो जाता था और ऑर्डर अक्सर विदेशों में चले जाते थे। अब, जीएसटी 2.0 द्वारा करों को घटाकर एक समान 5 प्रतिशत करने के साथ, उनकी निवेश लागत कम हो गई है, वे अधिक ऑर्डर प्राप्त कर सकते हैं, उचित मजदूरी का भुगतान कर सकते हैं और यहां तक कि अपने व्यवसाय का विस्तार भी कर सकते हैं। इस तरह एक राष्ट्रीय सुधार सीधे आम श्रमिकों और परिवारों के जीवन को प्रभावित करता है। यह लाभ यहीं खत्म नहीं होते। वाणिज्यिक माल वाहनों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत तथा लॉजिस्टिक्स सेवाओं पर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से वस्त्र आपूर्ति श्रृंखला में परिवहन लागत कम हो जाती है। यह सीधे तौर पर पीएम गति शक्ति और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति का सहयोग करता है और साथ ही वैश्विक बाजारों में भारतीय वस्त्र निर्यात को मजबूत बनाता है। जीएसटी 2.0 के सुधार एक साथ मिलकर वस्त्र मूल्य श्रृंखला के हर चरण को सशक्त बनाते हैं जैसे फाइबर बनाने से लेकर तैयार परिधान और विदेशी बाजार भेजने तक। इससे देश भर में विकास और रोजगार का सृजन होता है। जीएसटी 2.0 का आर्थिक प्रभाव आम परिवारों के रोजमर्रा के जीवन में महसूस किया जा रहा है। उद्योग जगत का अनुमान है कि इससे प्रत्यक्ष उपभोग में लगभग 1.98 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि होगी, तथा दरों में कमी के कारण परिवारों को प्रतिवर्ष लगभग 48,000 करोड़ रुपये की बचत होगी। इसे परिप्रेक्ष्य में रखने के लिए, 2014 में यूपीए सरकार के तहत, दैनिक जरूरतों पर प्रति वर्ष 1 लाख रुपये खर्च करने वाले एक परिवार ने लगभग 25,000 रुपये कर का भुगतान किया था। जीएसटी और जीएसटी 2.0 के बाद आज वही परिवार लगभग 5,000 रुपये से 6,000 रुपये का कर भुगतान करता है। यानी हर साल लगभग 20,000 रुपये की बचत होती है और यह पैसा बच्चों की शिक्षा, बेहतर पोषण और परिवार के कल्याण के लिए वापस परिवार के पास जाता है। आयकर छूट के साथ मिलकर सभी भारतीय परिवारों के प्रतिवर्ष लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये की बचत का अनुमान है। छोटे शहरों और गांवों में इसका प्रभाव और भी अधिक महत्वपूर्ण है, जहां भारत की लगभग 63 प्रतिशत आबादी रहती है।

बेगूसराय में बाजारों की अपनी हाल के दिनों की यात्रा के दौरान, मैंने जीएसटी सुधारों के सकारात्मक प्रभाव को देखा। खुदरा विक्रेताओं ने कम दरों को ले कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और ग्राहकों में इन सुधारों को ले कर उत्साह साफ झलक रहा था, क्योंकि त्योहारों के इस मौसम में खरीदारी करने के लिए ग्राहक बड़ी संख्या में आ रहे हैं। बाजारों में ग्राहकों की बढ़ती भीड़ से स्पष्ट है कि ये सुधार किस प्रकार एक जीवंत और सकारात्मक आर्थिक वातावरण का निर्माण कर रहे हैं, जो परिवारों और व्यवसायों दोनों के लिए वास्तविक लाभ है। मासिक जीएसटी संग्रह जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1.85 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया था, अब लगातार 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। इन सुधारों से न केवल नागरिकों पर वित्तीय बोझ कम हो रहा है, तथा इन कम दरों पर भी राजस्व में वृद्धि जारी रहेगी। यह एक दुर्लभ अवसर है, जहां सुधार जन-केंद्रित और वित्तीय रूप से सुदृढ़ हैं, जो परिवारों को मजबूत बनाते हुए भारत के आर्थिक भविष्य को सुरक्षित कर रहे हैं। जीएसटी 2.0 के वस्त्र क्षेत्र के सुधार सिर्फ आर्थिक परिवर्तन से कहीं अधिक हैं, वे समावेशी विकास के बारे में हैं, जिनका सीधा प्रभाव पूरे भारत के 65 लाख बुनकरों और कारीगरों पर पड़ रहा है। इससे न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में मदद मिलती है बल्कि इस क्षेत्र में काम करने वाली लाखों महिलाओं की आजीविका को भी सहारा मिलता है। हथकरघा, हस्तशिल्प और कालीन पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से यह पारंपरिक उत्पाद अब भारतीय और वैश्विक दोनों बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी हो गए हैं। साथ ही, सिलाई मशीनों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करना भारत के महिला प्रधान वस्त्र क्षेत्र को प्रत्यक्ष प्रोत्साहन दे रहा है। पिछले दशक में ग्रामीण आय और व्यय दोगुना से अधिक हो गया है, जो 2011-12 के 1,430 रुपये प्रति माह से बढ़कर 2023-24 में 4,122 रुपये हो गया है। जीएसटी 2.0 के साथ, इस बढ़ती क्रय शक्ति से सीधे भारतीय निर्मित कपड़ों की मांग तेज होगी, जिससे बुनकरों, दर्जनों और परिधान कामगारों के लिए अधिक कार्य सृजित होंगे और इससे विकास का एक चक्र उत्पन्न होगा जिससे समाज का प्रत्येक वर्ग लाभान्वित होगा। हाल ही में एक कार्यक्रम में, मेरी मुलाकात कई स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) दीदियों से हुई, जिन्होंने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने पहले उन्हें लखपति दीदी बनाकर उन्हें सशक्त बनाया और अब जीएसटी सुधारों के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं को अधिक किफायती बनाकर तथा आयकर सुधारों के माध्यम से उनके कर के बोझ को कम किया है। उन्होंने कहा कि इस बार की दिवाली उनके परिवारों के लिए अधिक उपहार और आनंदमय उत्सव के साथ वास्तविक खुशी ले कर आई है। ये सुधार अर्थव्यवस्था को तेज गति दे रहे हैं, आय बढ़ा रहे हैं और कर का बोझ कम कर रहे हैं। ऐसे समय में जब भारत तेजी से आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ा रहा है तब हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र, हमारी स्वयं सहायता समूह दीदियों के साथ मिलकर वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी आंदोलन की आत्मा के रूप में खड़ा है। हमारे कारीगर और बुनकर केवल इन परंपराओं को संरक्षित ही नहीं कर रहे हैं बल्कि वे आत्मनिर्भर भारत की ओर देश की यात्रा का वास्तविक आधार भी हैं। जैसे-जैसे भारत अमृतकाल में प्रवेश करते हुए 2047 की तरफ आगे बढ़ रहा है, जीएसटी 2.0 केवल कर सुधार के रूप में ही नहीं, बल्कि विकसित भारत के लिए विकास की रणनीति के रूप में भी हमारे सामने खड़ा है। टैक्स स्लैब को सरल बना कर, आम जन के पारिवारिक खर्चों को कम करके, किसानों को सशक्त बनाकर, एमएसएमई को सहायता प्रदान करके और वस्त्र जैसे श्रम-गहन उद्योगों को पुनर्जीवित करने से ले कर यह जीवन की सुगमता और व्यापार करने में आसानी दोनों को मजबूत करता है। फाइबर-न्यूट्रल जीएसटी विशेष रूप से परिवर्तनकारी है, जो मानव निर्मित और प्राकृतिक वस्त्रों में नई वृद्धि को बढ़ावा देगा, इसके साथ ही भारत को वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने, लाखों नए रोजगार सृजित करने और परिधान तथा घरेलू साज-सज्जा के क्षेत्र में एक सच्चे वैश्विक अग्रज के रूप में उभरने में सक्षम बनाएगा।

आज भी मनुष्यता का दीपक जलाती है वाल्मीकि की वाणी

(योगेश कुमार गोयल)

अश्विन मास की पूर्णिमा के दिन 'रामायण' के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के अनुपम संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिवर्ष महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई जाती है और इस वर्ष वाल्मीकि जयंती 7 अक्तूबर को मनाई जा रही है। मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि के सम्मान में उनकी जयंती रामायण काल से ही मनाई जा रही है। इस अवसर पर देशभर में कई प्रकार के सामाजिक तथा धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। सनातन धर्म के प्रमुख ऋषियों में से एक महर्षि वाल्मीकि द्वारा संस्कृत भाषा में लिखी गई रामायण को सबसे प्राचीन माना जाता है और संस्कृत के प्रथम महाकाव्य 'रामायण' की रचना करने के कारण ही उन्हें 'आदिकवि' के नाम से भी जाना जाता है। वाल्मीकि द्वारा लिखी गई मोक्षदायिनी रामायण आज भी समूचे विश्व में वेद तुल्य विख्यात है, जो 21 भाषाओं में उपलब्ध है और सनातन धर्म मानने वालों के लिए पूजनीय है। रामायण ने देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बांधने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। राष्ट्र की अमूल्य निधि रामायण का एक-एक अक्षर अमरता का सूचक और महापाप का नाशक माना गया है। वाल्मीकि का रामायण महाकाव्य ज्ञान-विज्ञान, भाषा ज्ञान, ललित कला, ज्योतिष शास्त्र, आयुर्वेद, इतिहास और राजनीति का केन्द्रबिन्दु माना जाता है। यह महाकाव्य श्रीराम के जीवन के माध्यम से जीवन के सत्य और कर्तव्य से परिचित कराता है। रामायण में जिस प्रकार महर्षि वाल्मीकि ने कई स्थानों पर सूर्य, चंद्रमा तथा नक्षत्रों की सटीक गणना की है, उससे स्पष्ट है कि वे ऐसे परम ज्ञानी थे, जिन्हें ज्योतिष विद्या तथा खगोल शास्त्र का भी बहुत गहन ज्ञान था। रामायण को वैदिक जगत का सर्वप्रथम काव्य माना जाता है, जिसमें कुल चौबीस हजार श्लोक है। माना जाता है कि महर्षि वाल्मीकि ने ही इस दुनिया में पहले श्लोक की रचना की थी, जो संस्कृत भाषा का जन्मदाता है। विभिन्न पौराणिक कथाओं में वर्णित है कि महर्षि वाल्मीकि बनने से पहले उनका नाम रत्नाकर था, जो अपने परिवार का पेट पालने के लिए लोगों को लूटा करते थे। निर्जन वन में एक बार उनकी भेंट नारद मुनि से हुई तो नारद को बंदी बनाकर रत्नाकर ने उन्हें भी लूटने का प्रयास किया। तब नारद जी ने पूछा कि तुम ऐसा निंदनीय कार्य आखिर करते क्यों हो? रत्नाकर ने उत्तर दिया, अपने परिवार का पेट भरने के लिए। तब नारद मुनि जी ने उनसे पूछा कि जिस परिवार के लिए तुम इतने पाप कर्म करते हो, क्या वह तुम्हारे इस पाप कार्य में भागीदार बनने के लिए तैयार होंगे? इसका उत्तर जानने के लिए रत्नाकर नारद मुनि को पेड़ से बांधकर घर पहुंचे और एक-एक कर परिवार के सभी सदस्यों से पूछा कि मैं डाकू बनकर लोगों को लूटने का जो पाप करता हूं, क्या तुम उस पाप में मेरे साथ हो? परिवार के सभी सदस्यों ने कहा कि आप इस परिवार के पालक हैं, इसलिए परिवार का पेट भरना तो आपका कर्तव्य है, इस पाप में हमारा कोई हिस्सा नही है। सभी का एक ही उत्तर सुनकर रत्नाकर बहुत उदास हुए और नारद मुनि के पास पहुंचकर उनके पैरों में गिर पड़े। तब नारद मुनि ने रत्नाकर को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का ज्ञान दिया। रत्नाकर ने उनसे अपने पापों का प्रायश्चित करने का उपाय पूछा तो नारद मुनि ने उन्हें 'राम' नाम जपने की सलाह दी लेकिन रत्नाकर ने कहा कि मुनिवर ! मैंने जीवन में इतने पाप किए हैं कि मेरे मुख से राम नाम का जाप नहीं हो पा रहा है। नारद मुनि ने उन्हें 'मरा-मरा' का जाप करने को कहा और इस प्रकार 'मरा-मरा' का जाप करते-करते रत्नाकर के मुख से अपने आप 'राम' नाम का जाप होने लगा। राम नाम में वह इस कदर लीन हो गए कि एक तपस्वी के रूप में ध्यानमग्न होकर वर्षों तक घोर तपस्या करने के कारण उनके शरीर पर चीटियों की बांबी लग गई। ऐसी कठोर तपस्या के बाद उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे रत्नाकर से महर्षि वाल्मीकि बन गए। पौराणिक आख्यानों में यह उल्लेख भी मिलता है कि जब भगवान श्रीराम ने माता सीता का त्याग कर दिया था, तब माता सीता ने महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में ही वनदेवी के नाम से निवास किया था और वहीं लव-कुश को जन्म दिया था, जिन्हें महर्षि वाल्मिकी द्वारा ज्ञान दिया गया। पहली बार सम्पूर्ण रामकथा लव-कुश ने ही भगवान श्रीराम को सुनाई थी। यही कारण है कि वाल्मिकी कृत रामायण में लव-कुश के जन्म के बाद का वृतांत भी मिलता है। बहरहाल, महर्षि वाल्मीकि के जीवन से यह सीख मिलती है कि जीवन की नई शुरूआत करने के लिए किसी खास समय या अवसर की आवश्यकता नहीं होती बल्कि इसके लिए आवश्यकता होती है केवल सत्य और धर्म को अपनाने की। उनका जीवन बुरे कर्मों को त्यागकर अच्छे कर्मों और भक्ति की राह पर अग्रसर होने की राह दिखलाता है। महर्षि वाल्मीकि का जीवन समस्त मानव जाति को यही शिक्षा देता है कि मनुष्य के जीवन में कितनी भी कठिनाइयां क्यों न हों, यदि वह चाहे तो अपनी हिम्मत, हौंसले और मानसिक शक्ति के बल पर तमाम बाधाओं को पार कर सकता है।**(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)**

मुंशी प्रेमचंद : हिंदी साहित्य का महानायक, गरीबों की आवाज

प्रदीप कुमार वर्मा

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की पुण्यतिथि 8 अक्टूबर पर विशेष आलेख...

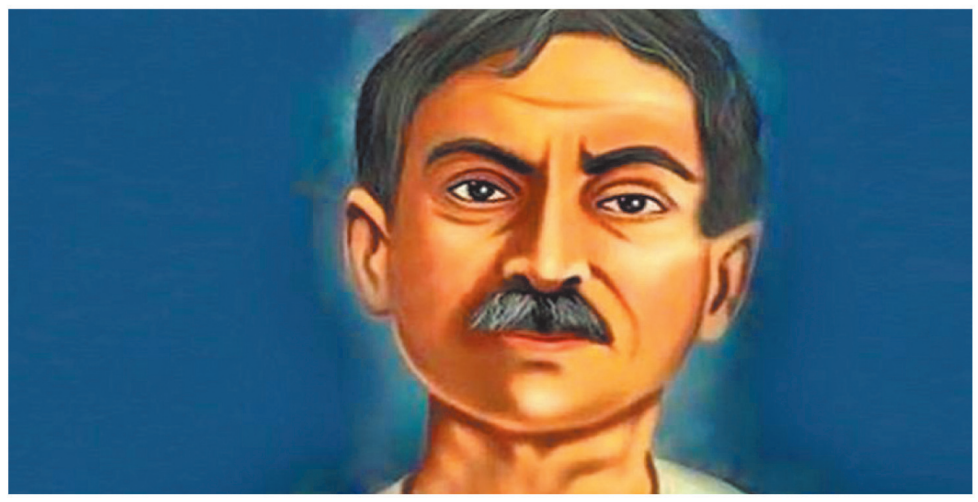

सामाजिक व्यवस्था का यथार्थ चित्रण करने वाला कलमकार, सीधी सपाट और लोकप्रिय भाषा शैली, समाज में गरीब- गुरबों की एक सशक्त आवाज, हिंदी साहित्य का महानायक और कलम का जादूगर। ये सभी उपमा और अलंकार उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद को समर्पित है। मुंशी प्रेमचंद ने अपनी साहित्यिक यात्रा के दौरान समाज के गरीब, पिछड़े, महिला, साहूकार तथा खेती किसानी को अपना विषय बनाया और इन विषयों से संबंधित पात्रों को बड़ी बखूबी से साहित्य विधा में साकार रूप दिया। कई दशकों पूर्व मुंशी प्रेमचंद की यह साहसिक साहित्यिक यात्रा और उनका संदेश आज भी प्रासंगिक है और आज भी सामाजिक ताने-बाने में मुंशी प्रेमचंद की कलम की धमक सुनाई पड़ती है। आज हम साहित्य को समर्पित ऐसे ही साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की पुण्यतिथि मना रहे हैं। उन्होंने मुख्य रूप से उपन्यास, कहानी, नाटक और लेख लिखे, और समाज के शोषित वर्गों, विशेषकर किसानों और महिलाओं की समस्याओं और पीड़ा को अपनी रचनाओं में जीवंत किया। हिन्दी साहित्य के युगांतरकारी लेखक मुंशी प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले स्थित लमही गाँव में एक कायस्थ परिवार में हुआ था। उनका असली नाम धनपत राय श्रीवास्तव था किंतु साहित्य जगत में वे प्रेमचंद नाम से विख्यात हुए। उनके पिता मुंशी अजायबराय डाक विभाग में कार्यरत थे और माता का नाम आनंदी देवी था। जब वे मात्र सात वर्ष के थे, तभी उनकी माता का देहांत हो गया। करीब पंद्रह वर्ष की उम्र में उनका विवाह कर दिया गया और सोलह वर्ष की अवस्था में उन्होंने अपने पिता को भी खो दिया। पिता का निधन हो जाने के बाद प्रेमचंद को कम उम्र में ही स्कूल छोड़ना पड़ा और परिवार को चलाने के लिए काम करना शुरू कर दिया। वर्ष 1898 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की। प्रेमचंद ने अपने जीवन की शुरुआत एक अध्यापक के रूप में की। उन्हें मात्र 18 रुपए मासिक वेतन पर पहली नौकरी मिली। प्रारंभ में उन्होंने बहराइच, गोरखपुर, कानपुर और इलाहाबाद जैसे विभिन्न शहरों के स्कूलों में अध्यापन कार्य किया।

धीरे-धीरे अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर वे उच्च पदों पर पहुँचे और उन्हें स्कूल इंस्पेक्टर के रूप में प्रोन्नति प्राप्त हुई। नौकरी के साथ उन्होंने अपनी पढ़ाई भी जारी रखी। उन्होंने अंग्रेज़ी, दर्शन, फारसी और इतिहास विषयों के साथ इंटरमीडिएट किया और इसके बाद वर्ष 1919 में बीए की डिग्री प्राप्त की। वर्ष 1921 में जब महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन के तहत सरकारी नौकरियाँ छोड़ने का आह्वान किया। तब प्रेमचंद ने भी 23 जून 1921 को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया और साहित्य को अपना जीवन-ध्येय बना लिया। अपने साहित्य सृजन के प्रारंभिक दौर में उन्होंने उर्दू में लिखना शुरू किया और तब प्रेमचंद का पहला उपन्यास मैना प्रकाशित हुआ लेकिन, प्रेमचंद को जल्द ही ऐसा महसूस हुआ कि हिंदी लोगों तक उनकी बात पहुंचाने के लिए उन्हें हिंदी में लिखना जरूरी है। इसलिए उन्होंने हिंदी में लिखना शुरू किया और तब से वह अपने कलम नाम 'प्रेमचंद' को अपने हिंदी साहित्य पर लिखने लगे।

उनका पहला हिंदी उपन्यास सेवासदन वर्ष 1918 में लिखा गया जिसने उन्हें साहित्यिक जगत में खासी लोकप्रियता दिलाई। उनकी यह कृति उस समय के भारतीय समाज में मौजूद सामाजिक बुराइयों, जैसे वेश्यावृत्ति और महिला उत्पीड़न, पर तीखी टिप्पणी करती है। उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद ने कई उपन्यास एवं कहानी तथा नाटक लिखे। उनके प्रमुख उपन्यास में सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, प्रतिज्ञा, गबन, कर्मभूमि एवं गोदान शामिल हैं। वहीं, कहानी-संग्रह में सप्तसरोज, नवनिधि, समरयात्रा एवं मानसरोवर प्रमुख हैं। मुंशी प्रेमचंद की चर्चित कहानियों में दो बैलों की कथा, ईदगाह, ठाकुर का कुआँ, पूस की रात, कफन, बूढ़ी काकी, पंच परमेश्वर, बड़े घर की बेटी, नमक का दारोगा, कर्मों का फल, बलिदान एवं शतरंज के खिलाड़ी प्रमुख हैं। उनके द्वारा लिखित नाटकों में संग्राम, कर्बला एवं बलिदान तथा बाल-साहित्य में रामकथा, कुत्ते की कहानी एवं मनमोदक खासी चर्चित हैं। मुंशी प्रेमचंद ने साहित्यिक सजन के साथ सामाजिक सुधारो के लिए बहुत काम किया।

उनके साहित्यिक योगदान को याद करें तो पता चलता है कि उन्होंने सरस्वती प्रेस की स्थापना से जुड़कर साहित्यिक प्रकाशन को बढ़ावा दिया। वहीं, 'हंस' और 'जागरण' पत्रिकाएँ निकालीं जिनके माध्यम से सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय चेतना का प्रसार हुआ। प्रेमचंद ने अपने साहित्य के माध्यम से सामाजिक सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। वे समाज में हो रही कुरीतियों, अंधविश्वास और असमानताओं के खिलाफ थे। उनके लेखन में सामाजिक न्याय, समानता और मानवीय गरिमा के प्रति जागरूकता का संदेश मिलता है। प्रेमचंद ने अपने लेखन में किसानों और मजदूरों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उनकी रचनाओं में मजदूर वर्ग के संघर्ष और शोषण का वास्तविक चित्रण है। उन्होंने समाज के निम्नवर्ग की आवाज को प्रमुखता दी और उनके अधिकारों की बात भी की। वर्ष 1936 में 8 अक्टूबर को महज 56 साल की आयु में उनका निधन हो गया। भारतीय डाक विभाग द्वारा 31 जुलाई 1980 को उनकी जन्मशती पर डाक टिकट जारी किया गया। इसके साथ ही उन्हें पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया। मुंशी प्रेमचंद ने अपनी प्रखर लेखनी के जरिए सामाजिक रूढ़ियों के खिलाफ आवाज उठाई। विवाह से संबंधित रूढ़ियों जैसे बहु विवाह, बेमेल विवाह, अभिभावक द्वारा आयोजित विवाह, दहेज प्रथा, विधवा विवाह, वृद्ध विवाह, बाल विवाह, पर्दा प्रथा, पतिव्रता धर्म के विषय में और सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया। आर्थिक समस्या के बावजूद अतिथि सत्कार का उन्होंने पुरजोर विरोध किया। मुंशी प्रेमचंद का हिंदी साहित्य में सबसे बड़ा योगदान यथार्थवाद की नींव रखना और सामाजिक समस्याओं का चित्रण करना था। उन्होंने अपनी सरल भाषा के माध्यम से गरीबों, किसानों और मेहनतकश वर्ग के संघर्षों को अपनी रचनाओं में जीवंत किया। यही नहीं, उन्होंने कहानी और उपन्यास की एक नई परंपरा विकसित की जो आज भी साहित्यकारों का मार्गदर्शन करती है। उन्होंने अपने लेखन में मानवीयता, न्याय और समानता के मूल्यों को बढ़ावा दिया। यही वजह है कि मुंशी प्रेमचंद का साहित्य सर्जन वर्तमान में भी प्रासंगिक दिखाई पड़ता है।

भिलाई चरोदा निगम प्रशासन का ऐतिहासिक फैसला सभी अवैध कालोनियों को नियमित करने प्रस्ताव पारित

महापौर परिषद की बैठक में 17 बिंदुओं पर हुआ महत्वपूर्ण निर्णय

भिलाई-3। नगर निगम भिलाई चरोदा की शुक्रवार, दिनांक 10 अक्टूबर 2025 को आयोजित महापौर परिषद (एमआईसी) की बैठक में ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। परिषद ने निगम क्षेत्र की सभी अवैध कालोनियों को नियमित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया। बैठक का आयोजन निगम मुख्यालय स्थित कॉन्फ्रें स हॉल में किया गया, जिसमें कुल 17 बिंदुओं पर चर्चा के बाद कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

मुख्यमंत्री पालिका बाजार की नीलामी को मिली स्वीकृति-बैठक में बताया गया कि निगम क्षेत्र में निर्मित मुख्यमंत्री पालिका बाजार की दुकानों की नीलामी की प्रक्रिया हाल ही में संपन्न हुई थी। इसमें प्राप्त उच्चतम बोल दाताओं द्वारा लगाई गई बोली राशि को महापौर परिषद ने स्वीकृति प्रदान की।

विश्व बैंक आवासीय कॉलोनी सेक्टर-03 के भूखंडों की दर स्वीकृत-इसी तरह विश्व बैंक आवासीय कॉलोनी सेक्टर-03 के नीलाम किए गए भूखंडों की दरों को भी परिषद ने स्वीकृति दी। इसके साथ ही निगम क्षेत्र के अन्य रिक्त भूखंडों को वर्तमान गाइडलाइन दरों पर विक्रय करने का निर्णय लिया गया है। इनमें बजरंग पारा भिलाई-03, निहारिका परिसर, ट्रांसपोर्ट नगर हथखोज सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

वाल्मिकी, अम्बेडकर और बजरंग पारा आवास आवंटन को मंजूरी-बैठक में वाल्मिकी आवास, अम्बेडकर आवास तथा बजरंग पारा में स्थित आवासों के आवंटन हेतु प्राप्त आवेदनों पर आरक्षण नियमों का पालन करते हुए कार्रवाई की स्वीकृति दी गई। चार सामुदायिक भवन ठेका पद्धति से होंगे संचालित-महापौर परिषद ने निर्णय लिया कि मंगल भवन (मंगल भिलाई-03), मंगल भवन (चरोदा), अम्बेडकर भवन (भिलाई-03) सहित एक अन्य सामुदायिक मंगल भवन को ठेका पद्धति से संचालित किया जाएगा। इसके लिए ओपन टेंडर प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

बैठक में शामिल रहे जनप्रतिनिधि और अधिकारी-बैठक की अध्यक्षता महापौर निर्मल कोसरे ने की। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य मोहन साहू, ईश्वर साहू, मनोज कुमार, एम. जानी, एस. वेंकट रमना, दीप्ति आशीष वर्मा, देवकुमारी भलावी, संतोषी निषाद उपस्थित रहीं। प्रशासनिक अधिकारियों में निगम आयुक्त डी.एस. राजपूत, सचिव अश्विनी चंद्राकर, कार्यपालन अभियंता रवि सिन्हा, सहायक अभियंता आलोक पसीने एवं हेमंत साहू, संपदा प्रभारी राजू वर्मा, सचिवालय लिपिक अविनाश चंद्राकर तथा जनसंपर्क प्रभारी विकास चंद्र त्रिपाठी उपस्थित रहे।

निगम प्रशासन का कदम विकास की दिशा में मील का पत्थर-निगम के इस निर्णय को शहर के विकास और नागरिकों की वर्षों पुरानी मांगों की दिशा में एक ऐतिहासिक और जनहितकारी कदम माना जा रहा है। अवैध कालोनियों के नियमितीकरण से हजारों परिवारों को राहत मिलेगी और निगम के राजस्व में भी वृद्धि होने की संभावना है।

स्काउट-गाइड टोलीनायक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ पीएम श्री विद्यालय अखरा पाटन में

नेतृत्व, सेवा और अनुशासन की भावना से भरपूर प्रशिक्षण शिविर में उमड़ा उत्साह

पाटन। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त स्काउट इन्द्रजीत सिंह खालसा एवं राज्य सचिव जितेन्द्र साहू के मार्गदर्शन में तथा जिला संघ दुर्ग के अध्यक्ष अशोक देशमुख, जिला मुख्य आयुक्त जीत यादव, जिला उपाध्यक्ष सुनीता संजय बोहरा और जिला शिक्षा अधिकारी सह पदेन जिला आयुक्त अरविन्द मिश्रा के नेतृत्व एवं निर्देशन में जिला स्तरीय टोलीनायक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ पीएम प्राथमिक शाला, अखरा (विकासखंड पाटन) में हुआ। ध्वज शिष्टाचार के साथ हुआ औपचारिक उद्घाटन-शिविर का औपचारिक उद्घाटन प्रदीप महिलांगे, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी सह पदेन सहायक जिला आयुक्त (स्काउट) ने किया। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष राजेश्वरी वर्मा एवं सांसद प्रतिनिधि योगेश्वर वर्मा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ ध्वज शिष्टाचार के साथ हुआ।प्रथम दिवसः सिद्धांत, प्रतिज्ञा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गूंजा शिविर परिसर-शिविर के प्रथम दिवस पर प्रतिभागी स्काउट-गाइड, रोवर एवं रेंजर का पंजीयन किया गया। उन्हें स्काउट-गाइड आंदोलन के उद्देश्य, सिद्धांत, नियम, प्रतिज्ञा एवं गीतों की जानकारी दी गई। दिनभर प्रशिक्षण सत्र के बाद रात्रि में शिविर ज्वाल कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। द्वितीय दिवस : स्वास्थ्य, अनुशासन और प्राथमिक उपचार पर विशेष प्रशिक्षण-दूसरे दिन प्रातः काल स्काउटिंग के संस्थापक लॉर्ड बेडेन पावेल द्वारा बताए गए 'बी.पी. सिक्स' व्यायाम का अभ्यास कराया गया। साथ ही प्रतिभागियों को स्ट्रेचर बनाना और प्राथमिक उपचार के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए। अतिथियों ने दी शुभकामनाएं-ध्वज शिष्टाचार कार्यक्रम में संदीप मिश्रा, संरक्षक (अनुविभागीय पत्रकार संघ पाटन) एवं आभास दूबे, नेता प्रतिपक्ष (नगर पंचायत पाटन) ने शिविर की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। शिविर संचालन में सक्रिय सहभागिता-शिविर संचालन दल में एल.ओ.सी. जिला संगठन आयुक्त गाइड अमीता हरमुख, जिला संगठन आयुक्त स्काउट बालक दास राऊत, जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट सह भोजन प्रभारी नीरज साहू, विकासखंड सचिव पाटन ललित बिजौरा, विकासखंड सचिव धमधा देवेन्द्र देवांगन, सहायक भोजन प्रभारी अनिल साहू, तथा प्रधानपाठक द्वय गोपेन्द्र कुमार साहू संतोष वर्मा, चंचल द्विवेदी, मनोज वर्मा, राजेश्वरी वर्मा, अल्का मंडावी, कल्पना शुक्ला, संगीता घाटगे, दीक्षा तिवारी।

भिलाई शहर में गंदगी फैलाने वालो पर 4300 रूपये की चालानी कार्यवाही

भिलाई । भिलाई शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने निगम के अधिकारी, कर्मचारी एवं सफाई कर्मी लगातार युद्ध स्तर पर कार्य कर रहे है। प्रतिदिन कर्मचारी अलग-अलग जोन क्षेत्र के साफ -सफाई व्यवस्था को व्यवस्थित करने में जुटे है। साथ ही सिंगलयुज प्लास्टिक प्रतिबंधित होने के बाद भी कुछ लोगो द्वारा इसका उपयोग किया जा रहा है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली पांचो जोन के सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों को जांच करते हुए कार्यवाही करने निर्देशित किए है। जोन 01 नेहरू नगर के स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना अपनी टीम के साथ वार्ड क्रं. 17 आकाश गंगा सुपेला में प्रतिष्ठान, फल ठेला में सिंगलयूज प्लास्टिक एवं गिला-सुखा कचरा अलग-अलग नहीं रखने वालो की जांच किए है। जांच में पाया गया कि प्रतिष्ठान, फल ठेला संचालकों द्वारा सिंगलयूज प्लास्टिक का उपयोग करते हुए ग्राहकों को सामग्री डालकर बेचा जा रहा है। आदर्श सर्विस पेट्रोल पम्प में बाथरूम का साफ-सफाई ठीक नहीं रखने के कारण 2000 रूपये एवं यशवंत साहू टी स्टाल 400, वर्मा टी स्टाल नास्ता सेंटर 100, ओम स्व सहायता समूह नास्ता सेंटर 200, देवगढ़ स्व सहायता समूह नास्ता सेंटर 200, भीष्म देवांगन होटल 1200 तथा सांइ जूस कार्नर से 200 इस प्रकार कुल 4300 रूपये की चालानी कार्यवाही करते हुए प्लास्टिक को जप्त कर रसीद काटकर दिया गया।

कलेक्टर सिंह ने धान खरीदी तैयारी की ली समीक्षा बैठक

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग प्रधान कार्यालय के सभागार में धान खरीदी तैयारी के संबंध में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में अपर कलेक्टर अभिषेक अग्रवाल, खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, उप संचालक कृषि संदीप कुमार भोई, ह्रदेश शर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, भौमिक बघेल जिला विपणन अधिकारी, भूअभिलेख शाखा के अधिकारी तथा मंडी सचिव उपस्थित रहे। बैठक में फसल सर्वे, एग्रीस्टेक पोर्टल में फार्मर रजिस्ट्रेशन, एकीकृत पोर्टल में डाटा कैरी फारवर्ड, धान खरीदी की अग्रिम तैयारी, विगत वर्ष के धान का उठाव, कस्टम मिलिंग आदि विषयों पर समीक्षा की गयी। अधिकारियों को धान के फसल

भौतिक सत्यापन करने निर्देशित किया गया। जिन किसानों ने एग्रीस्टेक पोर्टल पर अपना पंजीयन नहीं कराया है, उनका शीघ्र पंजीयन करवाने तथा समिति में जाकर धान बेचने के लिए उनके नॉमिनी की जानकारी देना सुनिश्चित करने कहा गया है। बैठक में जिले की बैंक शाखाओं के शाखा प्रबंधकों के साथ मुख्यालय के स्टॉफ उपस्थित रहें।

जिले के उच्च शिक्षा संस्थानों में मतदाता जागरूकता हेतु स्वीप अकादमिक गतिविधियों का आयोजन

दुर्ग। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ द्वारा प्राप्त पत्र का हवाला देते हुए अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्ग ने शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्ना. महाविद्यालय (साइंस कॉलेज) एवं चिन्हित महाविद्यालय स्वीप, दुर्ग के प्राचार्य को प्रपत्र जारी कर स्वीप कार्यक्रम के आयोजन संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। जिसमें भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार समस्त उच्च शैक्षणिक संस्थानों में मतदाता जागरूकता हेतु आयोजित की जाने वाली अकादमिक गतिविधियां शामिल है। इन गतिविधियों का उद्देश्य युवाओं को मतदान प्रक्रिया से जोड़ना एवं मतदाताओं को जागरूक करना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अकादमिक गतिविधियों को दो भाग में विभक्त किया गया है। जिसमें भाग-ए अंतर्गत परिचर्चा, निबंध प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक एवं संस्था की सहमति व सुझाव से अन्य प्रतियोगिताएं तथा प्रकार भाग-बी में नारा लेखन एवं वीडियो प्रस्तुति प्रतियोगिता शामिल है। नारा लेखन एवं वीडियो प्रस्तुति प्रतियोगिता में छात्र-छात्राएं मौलिक एवं स्वलिखित नारे बनाएंगे। जिसमें मतदाता सूचियां में ऑनलाइन नाम दर्ज करवाने हेतु प्रेरक नारे, मतदान करने हेतु प्रेरक नारे, भय एवं लोभ से मुक्त होकर मतदान करने हेतु प्रेरक नारे शामिल होंगे। नकल किए हुए नारे अमान्य होंगे। प्रतियोगिता तिथि 1 अक्टूबर 2025 से 15 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित की गई है। इच्छुक प्रतिभागी अपने वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट करेंगे।

शहर के ब्लैक स्पॉट की समस्या होगी दूर, राज्य स्तरीय व्हाट्सएप नंबर से अब तुरंत होगा सफाई दल का एक्शन

दुर्ग। शहर में फैली गंदगी और ब्लैक स्पॉट की समस्या अब जल्द ही खत्म होने जा रही है। नगर निगम दुर्ग ने चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के स्थायी निवारण के लिए बड़ी पहल की है। अब कोई भी नागरिक अपने मोबाइल से सिर्फ एक व्हाट्सएप मैसेज भेजकर अपने आसपास के गंदे स्थानों की शिकायत दर्ज कर सकता है।

इसके लिए राज्य स्तरीय एकीकृत व्हाट्सएप नंबर 91-851-900-9090 जारी किया गया है। शहरवासी अब गंदगी या कचरा फैलने की शिकायत सीधे इस नंबर पर फोटो और स्थान की जानकारी के साथ भेज सकते हैं। संदेश मिलते ही नगर निगम का सफाई दल तुरंत मौके पर पहुंचेगा और कार्रवाई करेगा। शिकायतकर्ता को कार्य पूर्ण होने की जानकारी भी दी जाएगी। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने बताया कि यह व्यवस्था प्रदेशभर में शुरू की गई है ताकि ब्लैक स्पॉट की समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके और नागरिकों को स्वच्छता में प्रत्यक्ष भागीदारी का अवसर मिले। महापौर अलका बाघमार ने कहा दुर्ग नगर निगम निरंतर स्वच्छता के लिए काम कर रहा है, लेकिन शहर को स्वच्छ और आकर्षक बनाए रखने में नागरिकों की भागीदारी सबसे अहम है। एक छोटी-सी सूचना भी बड़े बदलाव की शुरुआत बन सकती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे गंदगी फैलाने के बजाय उसकी सूचना दें ताकि निगम दल समय पर पहुंचकर सफाई कर सके। यह पहल 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक चल रहे 'स्वच्छता ही सेवा अभियान'का हिस्सा है। इस अवधि में नगर निगम द्वारा वार्ड-वार ब्लैक स्पॉट की पहचान, सफाई और सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। निगम का लक्ष्य है कि दुर्ग शहर को जल्द ही ब्लैक स्पॉट मुक्त घोषित किया जाए। 4?? निगम दल तुरंत सफाई करेगा और रिपोर्ट भेजी जाएगी। लक्ष्य ÷स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ दुर्गमहापौर अलका बाघमार,आयुक्त अग्रवाल एवं स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल ने कहा कि यह पहल केवल सफाई नहीं, बल्कि जनजागरूकता और नागरिक जिम्मेदारी का प्रतीक है।

आयुक्त ने फल मण्डी फटाका दुकान का स्थल परिवर्तन करने के दिए निर्देश

भिलाई नगर । नगर पालिक निगम भिलाई जोन 03 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत टाटा लाईन फटाका दुकान, वेडिंग जोन सहित सेक्टर 02 तालाब का आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा निरीक्षण किया गया। निगम आयुक्त ने वार्ड क्रं 36 फल मण्डी के सामने जी.ई.रोड पर अस्थायी फटाका दुकान लगाए जाने वाले स्थल का निरीक्षण किया गया। दुकान का स्थल परिवर्तित करते हुए तीनदर्शन मंदिर या पावर हाउस लाल मैदान में अस्थायी फटाका दुकान लगाए जाने हेतु सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन को निर्देशित किए है। वार्ड क्रं 37 में नया वेडिंग जोन बनाया जाना प्रस्तावित है, जिसका आयुक्त द्वारा स्थल अवलोकन किया गया। उक्त स्थल को परिवर्तित करते हुए पावर हाउस मार्केट के पीछे वेडिंग जोन बनाने के संबंध में चर्चा की गई। आगामी छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए सेक्टर 02 छठ तालाब का निरीक्षण किया गया। तालाब की घॉस कटिंग एवं साफ-सफाई कार्य जारी है। आवश्यक व्यवस्था करने एवं प्रकाश व्यवस्था का तत्काल संधारण किये जाने निर्देशित किया गया है। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, उप अभियंता शंकर सुमन मरकाम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक चुड़ामणी यादव, सुपरवाइजर श्याम ठाकुर उपस्थित रहे।

जिलाध्यक्ष चयन को लेकर कांग्रेस में मंथन तेज : पर्यवेक्षक ने दिखाए तेवर, कहा 'सर्वसम्मति नहीं, हर कार्यकर्ता की राय जरूरी'

भिलाई -3 । कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत अहिवारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अहिवारा, जामुल, मुरमुंदा और भिलाई-चरौदा ब्लॉक के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने जिलाध्यक्ष चयन प्रक्रिया को लेकर सख्त रुख अपनाया।

सर्वसम्मति नहीं चलेगी, हर कार्यकर्ता की राय ली जाएगी-बैठक के दौरान जब एक वक्ता ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं की सहमति एक ही नाम पर है, तो पर्यवेक्षक लल्लू ने स्पष्ट शब्दों में कहा ऐसा नहीं चलेगा। पार्टी की गाइडलाइन साफ है – हर कार्यकर्ता से अलग-अलग बात करनी है। किसी एक नाम पर सर्वसम्मति का प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके बाद लल्लू ने ब्लॉकवार बैठकों में कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर उनकी राय जानी और संभावित दावेदारों से आवेदन लिए।

कुर्मी भवन में पौने दो घंटे तक चली बैठक-बैठक कुर्मी भवन, भिलाई-3 में आयोजित हुई, जो लगभग पौने दो घंटे तक चली। इसमें पार्टी संगठन से जुड़े प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से विधायक विक्रम मंडावी, पूर्व विधायक यू.डी. मिंज, भिलाई-चरौदा महापौर निर्मल कोसरे, दुर्ग ग्रामीण जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, सभापति कृष्णा चंद्राकर, प्रदेश संयुक्त महामंत्री सुजीत बघेल सहित अनेक नेता शामिल हुए।

निर्मल कोसरे ने रखा कार्यकर्ताओं का प्रस्ताव-बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष एवं महापौर निर्मल कोसरे ने कार्यकर्ताओं की मंशा रखते हुए बताया कि सर्वसम्मति से एक ही नाम का प्रस्ताव आया है। उन्होंने कहा कि राकेश ठाकुर को दी गई जिम्मेदारी के तहत वे लगातार संगठन हित में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, पर्यवेक्षक लल्लू ने मंच से ही दो टूक जवाब देते हुए कहा –केंद्रीय संगठन का निर्देश है कि नाम सिफारिश से नहीं, कार्यकर्ता की राय से तय होगा। हर एक कार्यकर्ता से व्यक्तिगत बातचीत जरूरी है। कुछ नाम आए, कुछ ने किया इनकार-बैठक में कुछ कार्यकर्ताओं ने सुजीत बघेल का नाम जिलाध्यक्ष पद के लिए सुझाया, लेकिन उन्होंने आवेदन करने से इनकार करते हुए कहा –मैं पहले से प्रदेश स्तर पर जिम्मेदारी संभाल रहा हूं, इसलिए इस पद की दावेदारी से खुद को अलग रखता हूं।

इंदिरा मार्केट और सर्राफा बाजार में ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ करने निगम-पुलिस की बैठक

त्योहारी सीजन में भीड़-जाम से निपटने निगम और पुलिस की संयुक्त रणनीति

दुर्ग। त्योहारी सीजन में बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ और यातायात जाम की समस्या से निपटने नगर निगम और पुलिस प्रशासन ने मिलकर व्यापक रणनीति तैयार की है। नगर निगम कार्यालय में आयोजित संयुक्त बैठक में निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल, एडिशनल एसपी सुखनंद राठौर और एडीएम अभिषेक अग्रवाल सहित छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी, बाजार अधिकारी एवं नगर निगम अमला मौजूद रहा। बैठक में निर्णय लिया गया कि इंदिरा मार्केट, सर्राफा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स और मध्यानी चौक जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष यातायात व्यवस्था बनाई जाएगी। नागरिकों की सुविधा के लिए रूट डायवर्जन लागू होगा तथा जाम की स्थिति रोकने बैरिकेड्स लगाए जाएंगे।

त्योहारी बाजारों के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार-इंदिरा मार्केट और सर्राफा क्षेत्र में भीड़ को नियंत्रित करने पुलिस और निगम संयुक्त टीम तैनात की जाएगी। मध्यानी चौक और फरिश्ता कॉम्प्लेक्स चौराहे पर चार पहिया वाहनों और ई-रिक्शा के प्रवेश पर रोक रहेगी। अंडरस्टैंडिंग रूट सिस्टम के तहत नए वैकल्पिक रास्ते तय किए गए हैं, जिससे खरीदारों को आवागमन में असुविधा न हो। भीड़ वाले क्षेत्रों में अस्थाई बेरिकेट्स लगाए जाएंगे और पैदल मार्ग को प्राथमिकता दी जाएगी।

फ्री पार्किंग व्यवस्था - नागरिकों से सहयोग की अपील-त्योहारी सीजन में आम नागरिकों को अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़ा करने की अपील की गई है। निगम द्वारा इन स्थानों पर निःशुल्क पार्किंग की व्यवस्था की गई है जिसमें गणेश मंदिर वाली सड़क, आयुर्वेदिक अस्पताल परिसर, शनिचरी बाजार की पानी टंकी के नीचे, पुलिस ग्राउंड, महात्मा गांधी स्कूल, कस्तूरबा बाल मंदिर परिसर, गुजराती धर्मशाला, सिकोलाभाटा क्षेत्र, मरच्यूरी क्षेत्र (व्यापारियों के लिए विशेष पार्किंग) व्यवस्था की गई है। निगम ने नागरिकों से आग्रह किया कि बाजार में चार पहिया वाहन लेकर प्रवेश न करें और तय पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें।

सुरक्षा पर रहेगा विशेष ध्यान, व्यापारियों को दिशा-निर्देश-बैठक में व्यापारियों को अपने दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों को अद्यतन व दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी संदिग्ध या असामाजिक तत्व पर तत्काल निगरानी रखी जा सके। प्रशासन ने सभी व्यापारियों से आग्रह किया कि वे अपनी दुकानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखें और यातायात व्यवस्था में सहयोग दें।

बैठक में अधिकारी और व्यापारीगण रहे उपस्थित-बैठक में बाजार विभाग प्रभारी शेखर चंद्राकर, अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर, बाजार अधिकारी अभय मिश्रा, शशिकांत यादव, ईश्वर वर्मा, तथा चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी अनूप गटागट, शिव चंद्राकर, सुरेन्द्र चावला, बहादुर अली थारानी, मनोज अग्रवाल, मुरली सचदेव, संदीप जैन, सुदीप अग्रवाल, दिलीप मरोटी, आशीष निमजे, पारख जैन, और संजय खंडेलवाल उपस्थित रहे।नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि त्योहारी भीड़ के दौरान प्रशासन को सहयोग करें, ताकि त्योहार की रौनक और शहर की व्यवस्था दोनों बनी रहे।

शासकीय क्रांति कुमार महाविद्यालय की जूनियर रेड क्रॉस द्वारा आयोजित किया गया रक्तदान शिविर

सक्ती। शासकीय क्रांति कुमार भारतीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय सक्ती में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ, शासकीय क्रान्ति कुमार भारतीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय सक्ती में यूथ रेड क्रॉस के तत्वाधान में हसदेव ब्लड सेंटर द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें महाविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा रक्तदान किया गया। रक्तदान करने वाले छात्र छात्राओं को हेलमेट एवम् प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। रक्तदान द्वारा प्राप्त ब्लड का उपयोग जरूरतमंद मरीजों के इलाज में किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ डी पी पाटले एवम् यूथ रेड क्रॉस प्रभारी प्रो ऋतु पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया द्य शिविर में प्रो अजय कुमार देवांगन, प्रो सोमेश कुमार घितोड, प्रो शत्रुघ्न अनंत, प्रो हेमपुष्पा चंद्रा,प्रो ललित कुमार सिंह प्रो सीमा साहू प्रो डॉ हरिशंकर रजक प्रो यज्ञ राठिया प्रो डॉ टी पी टंडन प्रो पल्लवी प्रधान, डॉ ज्योति कुशवाहा,प्रो सविता चंद्रा, प्रो संतोष जांगड़े, प्रो जी एस मैत्री, प्रो विद्या रायसगर प्रो मनोज कुमार जायसवाल, प्रो अनिल खर्रा सहित छात्र छात्राएं ने सहयोग किया।

संक्षिप्त समाचार

नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी मनीराम यादव से अशासकीय विद्यालय प्रबंधक संघ के प्रतिनिधि मंडल की सौजन्य भेंट

बलरामपुर। बलरामपुर के जिले में दिनांक 10 अक्टूबर 2025 को अशासकीय विद्यालय प्रबंधक संघ, जिला बलरामपुर के जिला अध्यक्ष परमेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी श्री मनीराम यादव से सौजन्य भेंट की। भेंट के दौरान जिले के अशासकीय विद्यालयों से जुड़े विविध विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। प्रतिनिधि मंडल ने विद्यालयों के संचालन में आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों, तथा शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने के सुझाव प्रस्तुत किए। जिला शिक्षा अधिकारी श्री मनीराम यादव ने संगठन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अशासकीय विद्यालय जिले की शिक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनके सहयोग से हम शिक्षा की गुणवत्ता और पारदर्शिता को और बेहतर बनाएँगे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्री परमेंद्र गुप्ता ने जिला शिक्षा अधिकारी महोदय को संगठन की ओर से शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में बलरामपुर जिला शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेगा। भेंट के दौरान जिला सचिव श्री अभय उपाध्याय, संरक्षक अशोक नाथ तिवारी राजपुर,गोपाल दास कुशवाहा (वाड्राफ्नगर), बलॉक अध्यक्ष महेंद्र बारी वाड्राफ्नगर, आदित्य गुप्ता रामचंद्रपुर, शिवबरत दास शंकरगढ़ , नितेश गुप्ता कुसमी, मृत्युंजय सिन्हा राजपुर, विनय जायसवाल, जय रवि एवं संगठन के अन्य कई सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे। भेंट का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ, जहाँ दोनों पक्षों ने शिक्षा के उत्थान हेतु सामूहिक प्रयासों की प्रतिबद्धता दोहराई।

आदिम जाति कल्याण विभाग का बाबू 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया

बिलासपुर। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने शुक्रवार सुबह एक बड़ी कार्रवाई करते हुए आदिम जाति कल्याण विभाग में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी मनोज तोंडेकर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, मनोज तोंडेकर पर अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना की राशि जारी करने के एवज में 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप है। मामले की शिकायत मिलने के बाद,एसीबी ने योजना बनाकर ट्रैप की कार्रवाई की। जैसे ही तोंडेकर ने शिकायतकर्ता से नकद राशि ली, टीम ने तत्काल उसे पकड़ लिया। अधिकारी मौके से रिश्वत की रकम बरामद कर चुके हैं और फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

70 साल के बुजुर्ग और 30 साल की युवती ने रचाई शादी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले से एक अनोखा और चर्चा का विषय बना मामला सामने आया है, जहां उम्र की दीवार को तोड़ते हुए 70 वर्षीय बुजुर्ग और 30 वर्षीय युवती ने विवाह के बंधन में बंधकर अपने प्रेम को एक नई पहचान दी है। यह अनोखी शादी सरकंडा क्षेत्र के चिंगराजपारा स्थित अटल आवास कॉलोनी में हुई, जहां मोहल्ले के ही रहने वाले दादू राम गंधर्व और एक युवती के बीच प्रेम हुआ और फिर दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खाईं। बताया जा रहा है कि दादू राम मेहनत-मजदूरी करके अपना जीवन यापन करते हैं। उम्र के इस पड़ाव में उन्होंने मोहल्ले की एक युवती से प्यार किया और युवती ने भी उनका प्रेम स्वीकार कर लिया। प्यार को मुकाम देने के लिए दोनों ने समाज और परंपराओं के अनुसार विवाह करने का फैसला किया। शुक्रवार को कॉलोनी के शिव मंदिर में पूरे विधि-विधान और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ दोनों ने सात फेरे लिए। वरमाला से लेकर सिंदूरदान तक की सभी रस्में निभाई गईं। इस दौरान मोहल्ले वालों ने ढोल-नगाड़ों के साथ शादी में शिरकत की और नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देकर उनकी नई जिंदगी की शुरुआत की खुशी मनाई। इस प्रेम विवाह को देखकर लोग भले चकित हों, लेकिन दादू राम और युवती के प्रेम ने सभी का दिल जीत लिया है। मोहल्ले में यह शादी अब एक मिसाल के रूप में देखी जा रही है कि सच्चा प्यार उम्र का मोहताज नहीं होता।

पत्रकार वार्ता में श्याम बिहारी जायसवाल और रामजी गर्ग ने आत्मनिर्भर भारत अभियान को जन आंदोलन बनाने का किया आह्वान

आत्मनिर्भर भारत अभियान देशभक्ति की अभिव्यक्ति, स्वदेशी से ही विकसित भारत का निर्माण संभव-मंत्री श्याम बिहारी....

अंबिकापुर। आज संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान विषय पर विस्तारपूर्वक अपने विचार व्यक्त किए, तथा भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष रामजी गर्ग ने स्वागत उद्बोधन भी दिया। मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि जीएसटी सुधार, कर सरलीकरण और आयकर दरों में ऐतिहासिक छूट जैसे निर्णयों से भारत एक विकसित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र देकर संकट को अवसर में बदला, और आज वही विचार 'विकसित भारत' की नींव बन चुका है। यह अभियान केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि देशभक्ति की अभिव्यक्ति है। मंत्री जायसवाल ने बताया कि यह अभियान 25 सितंबर (पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती) से शुरू होकर 25 दिसंबर (भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जयंती) तक चलेगा। इसके तहत 'हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी' की भावना से आत्मनिर्भर भारत संकल्प सम्मेलन और रथ यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने रक्षा, अंतरिक्ष, वैक्सीन निर्माण और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2014-15 में जहां भारत का रक्षा निर्यात 1,941 करोड़ था, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 23,622 करोड़ रुपये हो गया है। आज भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है, जिसने लाखों

युवाओं को रोजगार दिया है। छत्तीसगढ़ की भूमिका पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने की दिशा में कार्य हो रहा है। बस्तर की लोक कला, चांपा का कोसा, जशपुर की कॉफी और महिला स्व-सहायता समूहों के हर्बल उत्पाद आत्मनिर्भरता के प्रतीक बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर भारतीय गर्व से कहे — मैं स्वदेशी खरीदता हूँ, मैं स्वदेशी बेचता हूँ, यही आत्मनिर्भर भारत का मूल संदेश है। जायसवाल ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ का जीएसडीपी पाँच वर्षों में दुगना कर 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है, जो प्रधानमंत्री मोदी के निर्णायक नेतृत्व में संभव होगा। उन्होंने त्योहारों के अवसर पर नागरिकों से आह्वान किया कि स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहयोग दें। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन देते हुए भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष रामजी गर्ग ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रधानमंत्री मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का राष्ट्रीय प्रयास है। छत्तीसगढ़ इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और हमारे कार्यकर्ता इसे जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ा रहे हैं। प्रेसवार्ता में महापौर मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, कार्यक्रम संभागीय प्रभारी हरपाल सिंह भामरा की विशेष मौजूदगी में पूर्व जिला अध्यक्ष कोरिया कृष्ण बिहारी जायसवाल, जिला महामंत्री विनोद हर्ष और अरुणा सिंह, उपाध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला और विकास पांडेय।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न, कलेक्टर ने शिक्षकों की उपस्थिति, स्वच्छता, पौष्टिक मध्यान्ह भोजन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के दिए निर्देश

अम्बिकापुर। शिक्षा विभाग सरगुजा की विभागीय समीक्षा बैठक आज शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने की। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा, जिला मिशन समन्वयक (समग्र शिक्षा) श्री सर्वजीत पाठक सहित जिले के सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, हाईस्कूल एवं सेजेस के प्राचार्य उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री भोसकर ने विद्यालयों में शिक्षकों की समय पर उपस्थिति, विद्यालय परिसर की स्वच्छता एवं बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए

विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी और संकुल प्राचार्य क्षेत्र का सर्वे कर वंचित बच्चों को तत्काल स्कूल में प्रवेश दिलाएं। कलेक्टर ने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष जोर देते हुए कहा कि प्राचार्य अपने विद्यालय परिसर में संचालित प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं में भोजन की गुणवत्ता का प्रत्यक्ष निरीक्षण करें। साथ ही, जिन विद्यार्थियों के जाति प्रमाणपत्र तैयार किए जाने हैं, उनके लिए संस्था प्रमुख शीघ्र आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करें। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. झा ने बताया कि जिले में पाठ्यपुस्तक एवं गणवेश का वितरण पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में पुस्तकें शेष हैं, उन्हें संकुल समन्वयक के माध्यम से वापस किया जाए। साथ ही निःशुल्क सायकल वितरण योजना के अंतर्गत सत्र 2025-26 हेतु वितरण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। सायकलों की गुणवत्ता परीक्षण के बाद जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में वितरण किया जाएगा।

गांजा तस्करी का खेप मंगाने वाला आरोपी गिरफ्तार, 6.5 किलोग्राम अवैध गांजा पूर्व मे किया गया था बरामद........

अंबिकापुर। थाना कोतवाली पुलिस टीम कों जरिये मुखबीर सूचना मिली कि सतगुरु कबीर आश्रम बस स्टैंड के पीछे संदेही सफ़ेद रंग के प्लास्टिक बोरा मे अवैध मादक पदार्थ गांजा रखकर बिक्री करने के लिए ग्राहक का इंतज़ार कर रहा हैं, सूचना पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही कर संदिग्ध की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया। आरोपी द्वारा अपना नाम आशुतोष शर्मा आत्मज विजय नारायण शर्मा उम्र 19 वर्ष साकिन परसौना थाना घोरावल जिला सोनभद्र उत्तरप्रदेश का होना बताया, पुलिस टीम द्वारा आरोपी के कब्जे में रखे सफ़ेद प्लास्टिक बोरा की तलाशी लेने पर कुल 6.5 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल किमती लगभग 125000/- रुपये जप्त किया गया, एवं आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये

जाने पर उक्त अवैध मादक पदार्थ गांजा को गुरुचरण यादव के कहने पर उड़ीसा जाकर उक्त अवैध मादक पदार्थ गांजा की खरीदी कर बिक्री करने हेतु लाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से थाना कोतवाली मे अपराध क्रमांक 656/25 धारा 20(बी) एन. डी. पी. एस. एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी कों गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था, पुलिस टीम द्वारा मामले मे अग्रिम कार्यवाही करते हुए गांजा की खेप मंगाने वाले आरोपी गुरुचरण यादव का पता तलाश कर पकड़कर पूछताछ किया गया, जो आरोपी द्वारा अपना नाम गुरुचरण यादव आत्मज धनेश यादव उम्र 20 वर्ष साकिन ग्राम सरौली पोस्ट खैराही थाना करमा जिला सोनभद्र उत्तरप्रदेश का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये।

पीएम सूर्यघर योजना अब बनेगा हर घर का साथी हर परिवार का सहारा

कोरबा। सूरज की पहली किरण जब धरती पर सुनहरी चादर बिछाती है, तो अब वह सिर्फ रोशनी नहीं लाती वह एक नई सोच, नई दिशा और नए आत्मविश्वास की किरण बनकर देश के घर-घर को रोशन कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने वाले ऐतिहासिक अभियान का रूप ले लिया है। वर्षों पहले जब बढ़ती बिजली मांग और पारंपरिक संसाधनों पर निर्भरता चिंता का कारण बन रही थी, तब एक सशक्त विचार ने जन्म लिया क्यों न हर नागरिक अपने घर की छत को ही ऊर्जा उत्पादन का केंद्र बना दे यही विचार आगे चलकर 'प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना' का रूप बना, जिसने ऊर्जा उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक बनने का रास्ता आमजन के सामने खोला। इस योजना का मूल उद्देश्य है हर घर में स्वच्छ, सस्ती और सतत ऊर्जा पहुँचाना। इसके तहत केंद्र सरकार द्वारा 3 किलोवाट तक सोलर रूफ्टॉप पैनल लगाने पर 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। इतना ही नहीं, 300 यूनिट तक बिजली उपयोग करने वाले परिवारों को मुफ्त बिजली का सीधा लाभ मिल रहा है। इस पहल ने एक ओर जहाँ घरेलू खर्च में बड़ी बचत दी है, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन एनर्जी मिशन को भी नई गति प्रदान की है।

संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत नियुक्त पर्यवेक्षक दल ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों से राय शुमारी प्रारंभ की...

अंबिकापुर। संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से नियुक्त पर्यावेक्षक दल ने रविवार से सरगुजा के ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों से रायशुमारी प्रारंभ कर दी है। इस कडी में आज मुख्य पर्यावेक्षक श्री राजेश ठाकुर पूर्व अध्यक्ष झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के साथ साथ छत्तीसगढ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष श्री धनेन्द्र साहू एवं भानूप्रतापपुर विधायक श्रीमति सावित्री मण्डावी ने अम्बिकापुर शहर एवं अम्किापुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की संयुक्त बैठक आज जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में ली। बैठक के उपरांत पर्यावेक्षक दल ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकारणी सदस्य एवं नवगठित मंडलों के अध्यक्षों एवं उनकी कार्यकारणी से वन टू वन मुलाकात कर उनकी राय ली। अम्बिकापुर

शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की 6 एवं अम्बिकापुर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कुल 9 मंडलों के अध्यक्ष के साथ ही उनकी कार्यकारणी के सदस्य और बीएलए की टीम पर्यावेक्षक दल से मुलाकात किया। अम्बिकापुर शहर एवं ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक के उपरांत पर्यावेक्षक दल लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की रायशुमारी के लिये लखनपुर रवाना हो गया। लखनपुर में सामुदायिक भवन में बैठक के साथ ही वन टू वन चर्चा की गई। इसमें लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अतिरिक्त वहां के 9 मंडलों के अध्यक्ष एवं उनकी कार्यकारणी से चर्चा की गई। 13 अक्टूबर को पर्यावेक्षक दल रायशुमारी के लिये उदयपुर, धौरपुर एवं लुंड्रा ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों का दौरा करेगा। सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के उपयुक्त व्यक्ति के लिये ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों की बैठक के पूर्व पर्यावेक्षक दल ने सामाजिक समूहों से मुलाकात कर उनसे वन-टू-वन चर्चा की। इनमें जातीय, धार्मिक समूह के साथ ही समाज सेवा में जुडी संस्थाएं भी शामिल थी। ऐसी करीब 22 सामाजिक समूहों के प्रमुख एवं उनके दल से पर्यावेक्षक दल ने करीब 2 घंटे बारी-बारी से मुलाकात कर चर्चा की। धार्मिक एवं जातीय समूहों में आदिवासी समाज, गोड समाज, अनुसूचित जाति वर्ग के समूह, रजक समाज, जायसवाल समाज, कायस्थ समाज, बंग समाज, क्षत्रीय समाज, ब्राम्हण समाज, सिक्ख समाज, मुस्लिम समाज, मसीही समाज के साथ ही समाज सेवा में संलग्न कुछ एन0जी0ओ0 के प्रमुखों से भी मुलाकात कर उनसे राय ली गई।

पुलिस द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

- यातायात नियमों के पालन की आवश्यकता, सड़क सुरक्षा, हेलमेट व सीट बेल्ट के महत्व की दी गई जानकारी
- कार्यक्रम के दौरान महिला सुरक्षा से सम्बंधित जानकारी एवं आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराने वाले हेल्पलाइन नंबरों से कराया गया अवगत।

अंबिकापुर/छात्राओं के विधिक अधिकारों, साइबर अपराध एवं सुरक्षा, नवीन क़ानून संहिता एवं महिलाओ से सम्बंधित अपराधों के बारे मे विस्तृत जानकारी प्रदान कर छात्राओं कों जागरूक करने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे पुलिस टीम कों स्कूल कॉलेज मे छात्राओं के बीच पहुंचकर कार्यक्रम का आयोजन कर जागरूकता उत्पन्न करने हेतु निर्देशित किया गया है, इसी क्रम मे संयुक्त पुलिस टीम, साइबर वालेंटियर, पुलिस मितान के सदस्यों के सक्रिय सहभागिता से शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मे साइबर जागरूकता एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए विद्यालय के प्राचार्य श्री आर.एल. मिश्रा ने दीप प्रज्वलन कर अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम छात्राओं के व्यक्तित्व निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि वर्तमान समय में सड़क सुरक्षा और साइबर सुरक्षा दोनों ही विषय सीधे उनके जीवन से जुड़े हुए हैं। कार्यक्रम के अगली कड़ी मे छात्राओं को उप निरीक्षक अभय तिवारी ने यातायात नियमों के पालन की आवश्यकता, सड़क सुरक्षा, हेलमेट व सीट बेल्ट के महत्व तथा अनुशासनपूर्वक

वाहन संचालन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल कानून का पालन भर नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन की सुरक्षा की गारंटी है। उपस्थित छात्राओं को यातायात के नियमो का पालन करने की समझाइस दी गई। साइबर सेल से साइबर एक्सपर्ट अनुज जायसवाल ने छात्राओं को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग की जानकारी देते हुए साइबर अपराधों की विविधताओं जैसेङ्क ऑनलाइन धोखाधड़ी, ओटीपी साझा करने के खतरे, डिजिटल फ्रॉड्स पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग के महत्व को समझाते हुए छात्राओं को सजग और सतर्क रहने का संदेश दिया।कार्यक्रम में एन.एस.एस. प्रभारी श्री राकेश राय ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को उदाहरणस्वरूप प्रस्तुत किया। उन्होंने छात्राओं को समाजसेवा, आत्मनिर्भरता एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। श्री अजय सिंह सहित अन्य उपस्थित जानकारों द्वारा भी छात्राओं को संबोधित कर जागरूकता उत्पन्न किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला थाना पुलिस स्टाप द्वारा छात्राओं को महिला सुरक्षा, नवीन कानून की जानकारी एवं सहायता उपलब्ध कराने वाले हेल्पलाइन नंबरों(1930, 1098, 181, 112) से अवगत कराया गया, अंत मे कार्यक्रम का समापन जागरूकता की शपथ दिलाकर किया गया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान कन्या विद्यालय से शिक्षिका सुनीता दास, सहित अन्य शिक्षक शिक्षिका, पुलिस मितान एवं साइबर वॉलंटियर टीम के सदस्य अतुल गुप्ता, श्रुति तिवारी, बसंत श्रीवास्तव एवं अनमोल बाड़ी एवं काफी संख्या मे छात्राएं उपस्थित रहे

मानदेय शिक्षकों ने भी सम्हाली है कमान, स्कूलों में पढ़ाई हो गई है आसान

कोरबा। शहर से लगभग अस्सी किलोमीटर दूर पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के ग्राम पचरा का हाई स्कूल हो या शहर से 90 किलोमीटर दूर कोरबा ब्लॉक का ग्राम श्यांग में संचालित हायर सकेण्डरी विद्यालय या फिर पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के ग्राम कटमोरगा में संचालित प्राथमिक शाला। अंतिमछोर वाले गांवों के इन सभी विद्यालयों में अब न तो शिक्षक की कमी है न ही विद्यार्थियों की कमी है। कुछ साल पहले तक अपने विद्यालय में शिक्षकों की कमी को लेकर विद्यार्थी परेशान थे। स्कूलों में विषय से संबधित शिक्षक नहीं होने या फिर एकमात्र शिक्षक होने और कभी-कभी उनके अवकाश में रहने से अध्यापन ठप होने जाने की शिकायत पालकों की भी रहती थी। कई बार शिक्षकों की कमी को लेकर प्रदर्शन तक भी होते रहते थे। शिक्षकों की कमी का सबसे ज्यादा खामियाजा विद्यार्थियों को ही भुगतना पड़ता था। समय पर पाठयक्रम पूरे नहीं होते थे तो उन्हें विषय का ज्ञान भी नहीं मिल पाता था। कई बार तो शिक्षकों की कमी को देखते हुए कुछ विद्यार्थी अपने आसपास के विद्यालयों से दूर जाकर अन्य विद्यालय तक में पढ़ाई करते थे। वहीं शिक्षक नहीं होने पर सीमित संख्या में उपलब्ध शिक्षकों के कंधे पर भी अन्य विषयों का अध्यापन कराने की मजबूरी आ जाती थी।

इन उपायों से पाएं टॉन्सिल इन्फेक्शन से छुटकारा

बदलते मौसम का सबसे ज्यादा असर हमारी हेल्थ पर पड़ता है। सर्द मौसम दस्तक दे रहा है और हमारी खाने-पीने की आदतें अभी भी समर सीजन वाली है। अक्सर गले में दर्द सर्दी-जुकाम के कारण होता है जो कुछ दिनों में ठीक हो जाता है। अगर गले का दर्द एक हफ्ते से ज्यादा रहे तो आपको टॉन्सिल में इन्फेक्शन की परेशानी हो सकती है। टॉन्सिल में इन्फेक्शन होने पर गले में दर्द रहता है और टॉन्सिल सूज जाते हैं। टॉन्सिल में सूजन होने से ना सिर्फ खाने-पीने में दिक्कत होती है बल्कि सलाइवा तक निगलने में दिक्कत होने लगती है। टॉन्सिल में इंफेक्शन होने से गले में दर्द और खराश, बुखार, आवाज में खराबी, गले में जकड़न जैसी समस्याएं बेहद परेशान करती हैं। आप भी गले में इस तरह की परेशानी महसूस कर रहे हैं तो उसका घर में ही उपचार करें।

नींबू से करें उपचार

टॉन्सिल का उपचार करने के लिए नींबू बहुत ही अच्छा घरेलू नुस्खा है। एक गिलास गर्म पानी में नींबू डालें और उसमें शहद और नमक मिलाकर उसका सेवन करें। गर्म पानी के साथ नींबू का सेवन दिन में दो से तीन बार करें आपको गले के दर्द से निजात मिलेगी।

गाजर का जूस दर्द से दिलाएगा राहत

गाजर विटामिन ए का बेहतरीन स्रोत है जो एंटी टॉक्सिन गुणों से भरपूर है। गाजर का जूस विषैले तत्वों और टॉन्सिलिटिस को कम करता है। कुछ लोगों को कब्ज की शिकायत रहती है जिसकी वजह से भी टॉन्सिलिटिस होता है ऐसे लोग गाजर के जूस का सेवन करें तुरंत राहत मिलेगी।

अंजीर के पेस्ट से करें उपचार

अंजीर को पानी में उबाल कर इसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को गले पर लगाएं। इससे आपको टॉन्सिलिटिस से होने वाले दर्द से आराम मिलेगा।

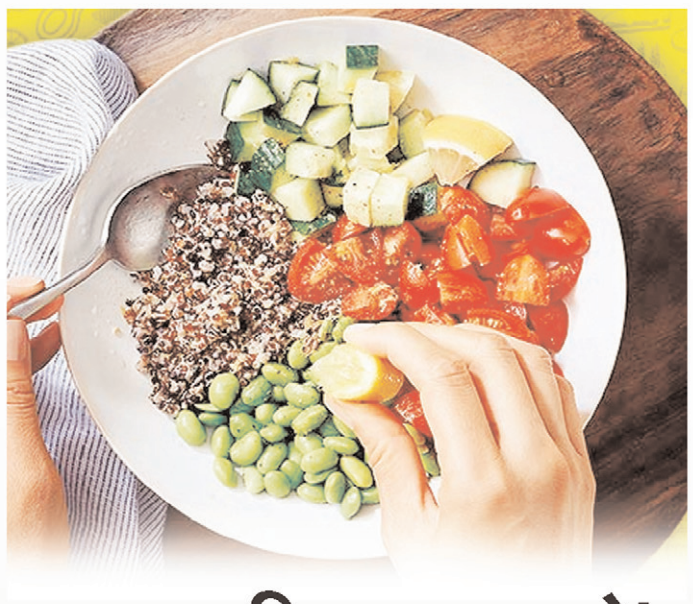

रात की डाइट में शामिल करें ये स्नैक्स

अधिकतर लोग समझते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी खाना ही काफी होता है। मगर बिजी लाइफ के चलते या स्टूडेंट्स द्वारा रात देर रात तक जागकर पढ़ते रहने से खाने की क्रैविंग होने लगती है जो हेल्थ के लिए ठीक नहीं। इस समस्या से बचने के लिए कुछ ऐसे स्नैक्स का सेवन जरुर करना चाहिए, जो खाने की क्रैविंग को कम करें और आपको हैल्दी रखें। स्नैक्स ना सिर्फ बॉडी में इंफैक्शन को रोकते है साथ ही साथ वजन को भी कम करने मदद करते है। आइए जानते है कुछ ऐसे ही हेल्दी स्नैक्स जिन्हें आप रात की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

वेजिटेबल ऑमलेट - वेजिटेबल ऑमलेट कई प्रकार की सब्जियों से बनता है जो बॉडी को फाइबर, प्रोटीन और कई प्रकार के पोषक तत्व प्रदान करता है। ये रात के वक्त आपकी भूख को कम करते है और नींद दिलाने में मदद करते है।

दलिया - दलिया में फाइबर होता है जिससे भूख कम लगती है। फाइबर से शरीर का वजन ठीक रहता है और इससे ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है। इसके अलावा, अच्छी नींद के लिए दलिया खाना फायदेमंद होता है।

नट्स और फल - वैसे तो हम नट्स और फलों को किसी भी वक्त खा सकते है क्योंकि यह सेहत के लिए हेल्दी ही होते है। इनमें फाइबर, फॉस्फोरस और विटामिन-सी भरपूर मात्रा में होते हैं। इनका रात को सेवन करने से नींद अच्छी आती है और भूख भी कम लगती है।

बादाम - अगर आप नियमित रुप से बादाम खाते है तो आप कई पुरानी बीमारियों से बचे रह सकते हैं। बादाम दिल से जुड़ी बीमारियों से भी बचाता है। बादाम में मोनोअनसेचुरेटेड फेट, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होता है जो शरीर को स्वस्थ रखता है। इसलिए रात को बादाम खाना सेहत के लिए अच्छा होता है।

मखाना - अगर आपको हर 2-3 घंटे बाद भूख लगती है तो अपनी डाइट में मखानों को शामिल करें क्योंकि इसमे कम वसा होती है जिसे खाने से न तो फैट बढ़ती और न हीं खाने की क्रेविंग रहती हैं।

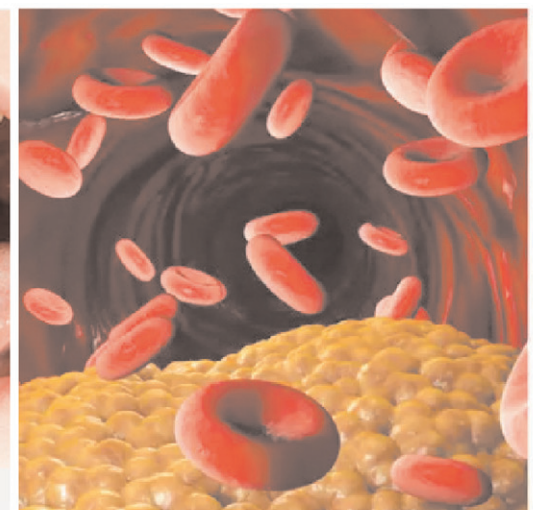

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इस समस्या पर काबू नहीं पाने से आपको नसों के रोग, दिल के रोग, हार्ट अटैक और यहां तक कि स्ट्रोक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा होता है।

कोलेस्ट्रॉल एक चिपचिपा पदार्थ होता है, जो खून में जमा होता है और इसका लेवल बढ़ने से नसों में ब्लॉकेज हो सकती है। सबसे चिंता की बात यह है कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का कोई खास लक्षण समझ नहीं आता है और जब तक पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। यही वजह है कि डॉक्टर समय-समय पर कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच कराने की सलाह देते हैं। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि कोलेस्ट्रॉल के लक्षण या संकेत बिल्कुल ही नहीं दिखते हैं। कुछ ऐसे लक्षण हैं, जो आपको अपने चेहरे पर नजर आ सकते हैं। हम आपको कोलेस्ट्रॉल के कुछ ऐसे लक्षण बता रहे हैं, जो किसी व्यक्ति के चेहरे पर दिखाई दे सकते हैं।

चेहरे पर दिखते हैं कोलेस्ट्रॉल के ये लक्षण

ज़ेन्थोमास

कई बार पलकों पर मुलायम उभार हो जाता है, जो हल्का पीला सा नजर आता है और छूने में बहुत मुलायम होता है, जिसे ज़ेन्थोमास कहा जाता है। इस स्थिति में पलकों की त्वचा के नीचे मोम जमा हो जाता है।

कॉर्नियल आर्कस

कई बार कॉर्निया के चारों ओर एक पतली सफेद रेखा दिखाई देती है। ऐसा माना जाता है कि कॉर्नियल आर्कस हाई कोलेस्ट्रॉल का एक बड़ा संकेतक है।

मुंह पर दिख रहे 4 लक्षण बताते हैं खून में बढ़ गया कोलेस्ट्रॉल

यह लक्षण भी दिख सकते हैं मुंह पर

चेहरे, गालों और माथे पर पीले रंग के उभार भी उच्च कोलेस्ट्रॉल का संकेत देते हैं। ये नितंबों, कोहनियों, हाथों और घुटनों पर भी दिखाई देते हैं।

सोरायसिस- यदि आपको अपने चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों पर त्वचा पर लाल और खुजली वाले धब्बे दिखाई दें तो तुरंत इसका इलाज कराएं। इसे सोरायसिस कहा जाता है। यह उन लोगों में भी देखी जाती है जिनके खून में कोलेस्ट्रॉल लेवल अधिक होता है।

फाइबर का अधिक सेवन करें

अपनी डाइट में फाइबर वाले फूड्स जैसे कि अनाज, फल, सब्जियां शामिल करें, क्योंकि यह एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा घी, मक्खन, और पालमा तेल की जगह जैतून का तेल, नारियल तेल और कैनोला तेल का उपयोग करें।

सैचुरेटेड फैट से बचें

कोलेस्ट्रॉल का लेवल सैचुरेटेड फैट वाली चीजें जैसे कि रेड मीट, अंडे का पीला हिस्सा और तली हुई चीजों को खाने से बढ़ता है इसलिए इन चीजों का जितना हो सके कम सेवन करें। अपने खाने में प्रोटीन से भरपूर चीजों को अधिक शामिल करें।

रोजाना एक्सरसाइज भी है जरूरी

नियमित व्यायाम करने से एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) बढ़ सकता है और एलडीएल (बुरा कोलेस्ट्रॉल) को कम किया जा सकता है। यदि आपका वजन बढ़ गया है, तो इसे कम करने का प्रयास करें, क्योंकि वजन कम करने से कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है।

शराब और स्मोकिंग से बचें

धूम्रपान और अल्कोहल का सेवन कम करें या बंद करें, क्योंकि ये कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा स्ट्रेस को कम करने के लिए ध्यान, योग, और प्राणायाम का प्रयास करें, क्योंकि स्ट्रेस कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ाने का काम करता है।

आसान तरीकों से मिलेगी पेट की समस्या से निजात

पेट में गड़बड़ी आम समस्या है, जिसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं। क्यों ना इसका तुरंत समाधान कर चुस्त रहा जाए महिलाएं पेट की गड़बड़ी की अधिक शिकार होती हैं। इसके कुछ कारण तो बहुत सामान्य होते हैं, पर कुछ ऐसे भी होते हैं, जिनके बारे में ज्यादा मालूम नही होता, इसलिए उस ओर हमारा ध्यान भी नही जाता। कौन से हैं ये कारण, इस बारे में एक जानकारी।

हारमोन कई महिलाएं माहवारी शुरू होने से पहले पेट में भारीपन, कब्ज और अतिसार की शिकायत करती हैं। माहवारी के शुरू होते ही स्थिति में अचानक बदलाव आता है और यह समस्या अपने आप दूर हो जाती है। सन डियागो में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ के अध्ययनो से पता चलता है कि एस्ट्रोजन हारमोन नसों के तंतुओं को प्रेरित कर आंतो से गुजरने वाले मल की गति को बढा देता है। इसी तरह माहवारी के पहले और माहवारी के दौरान पेट का फूलना एक आम समस्या है। इसका कारण प्रोजस्ट्रॉन हारमोन के स्तर में बदलाव आना है, जो गुर्दे के लिए पानी और नमक को रोककर रखने का संकेत हो सकता है। गर्भवती महिलाओं में पेट की गड़बड़ी, खासतौर से खट्टी डकारें आने की समस्या अधिक होती है। अमेरिकन गैस्ट्रो एंट्रोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार 30 से 50 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं इस समस्या की शिकार होती है। इसका कारण हारमोनल और शारीरिक बदलाव होता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कैल्शियम सप्लीमेंट लेने से पेट के फूले होने और प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम के अन्य लक्षणों में सुधार हो सकता है। इसके साथ ही पानी भी अधिक मात्रा में पिएं। खट्टी डकारें खासतौर से गर्भावस्था में छुटकारा पाने के लिए रात को सिर के नीचे कई तकिए लगा कर सोएं। सिट्रस, पिपरमिंट, मिर्च-मसालेदार या फिर टमाटर से बनी चीजें खाने से परहेज करे, क्योंकि ये इस समस्या को बढावा देती हैं। तनाव वास्तव में हमारे पेट में एक अलग से नर्वस सिस्टम तंत्रिका तंत्र होता है, जो लाखों-करोडों नर्व कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। न्यूयार्क की कोलंबिया युनिवर्सिटी के माइकल गर्शन के अनुसार जब हम तनावग्रस्त होते हैं, तो दिमाग हमारे पेट को एसिड अधिक बनाने और आंतो के सिकुडने के काम में तेजी लाने संबंधी सिगनल भेजता है, जिससे खट्टी डकारें आती हैं, मरोड उठते हैंऔर अतिसार पेचिश हो जाता है। हमारा शरीर भी कुछ से हारमोन और रसायन पैदा करता है, जिससे हमारी पाचन क्रिया प्रणाली सुस्त या फिर ज्यादा सक्रिय हो जाती है। वास्तव में दिमाग और पेट के बीच इतना जबर्दस्त संबंध होता है कि जीवन मे तनावपूर्ण लम्हों जैसा तलाक या परिवार में किसी की मौत का असर प्राय: पेट की गडबडियों के रूप में देखने को मिलता है। शरीर का 95 प्रतिशत सेरोटोनिन ''एक एसा न्यूरोट्रांसमीटर'' ''जिसका संबंध उत्तेजना और अवसाद से है'' पेट में बनता है। यही वजह है कि एंटीडिप्रेसेंट दवाएं, जो सेरोटोनिन के स्तर को प्रभावित करती हैं, गंभीर पाचन संबंधी रोगों में मददगार हो सकती हैं।

इलाज क्या हो

रोज कम से कम 15 मिनट अपने को रिलेक्स करने के लिए निकालें। चाहें तो इस समय में अपनी किसी सहेली से बात क रें, अपनी मनपसंद पत्रिका पुस्तक पढें या फिर तेज चले। योग करें या ध्यान लगाएं। ?सी सेहतमंद डाइट लें, जिसमे रेशे पर्याप्त मात्रा में हों। किसी भी तरह का व्यायाम तनाव को कम करने में सहायक होता है।

अगर आपके भी वजन घटाने का समय नहीं हैं तो आप अपने खान-पान में ऐसी चीजें शामिल कर सकते हैं जो वजन घटाने में मददगार होती हैं। काली मिर्च एक मसाला हैं जो टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करता है। बच्चे और बड़े दोनों इसका सेवन कर सकते हैं। अगर इसका इस्तेमाल नियमित रूप से किया जाए तो कई गंभीर रोगों से बचा सकता है।

टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करती है काली मिर्च

खराब लाइफस्टाइल और बाहर का खाना लोगों को सौगात में मोटापा दे रहा है और तो और भागदौड़ भरी जिंदगी के चलते लोग वजन कम करने के लिए ज्यादा मेहनत भी नही करना चाहते। अगर आपके भी वजन घटाने का समय नहीं हैं तो आप अपने खान-पान में ऐसी चीजें शामिल कर सकते हैं जो वजन घटाने में मददगार होती हैं। काली मिर्च एक मसाला हैं जो टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करता है।

बच्चे और बड़े दोनों इसका सेवन कर सकते हैं। अगर इसका इस्तेमाल नियमित रूप से किया जाए तो कई गंभीर रोगों से बचा सकता है। आज हम आपको काली मिर्च से वजन घटाने का तरीका और इसके अन्य फायदे बताएंगे।

काली मिर्च में आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज, जिंक, क्रोमियम, विटामिन-ए, सी, और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें फाइट न्यूट्रियंस होते हैं जो वसा की बाहरी परत को तोड़कर शरीर में वसा जमा नहीं होने देते। इसका इस्तेमाल करने से वजन घटाने के अलावा कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से भी बचा जा सकता है। इसके साथ यह सर्दी-जुकाम में भी बहुत फायदेमंद है। मोटापे से छुटकारा पाना चाहते हैं तो काली मिर्च आपके लिए काफी फायदेमंद होगी। पकी हुए सब्जी की एक कटोरी में 1 चुटकी काली मिर्च पाउडर डाल कर सेवन करें। नियमित रूप से इसे खाने पर आपका वजन कम होगा। इसके अलावा आप सलाद ,दही व हर्बल टी में इसे मिलाकर भी खा सकते हैं। इसकी आपको सिर्फ 1 से 2 चुटकी मात्रा ही लेनी हैं।

अन्य फायदे

कैंसर से करे बचाव - कैंसर एक खतरनाक बीमारी है जिससे बाहर निकलना काफी मुश्किल है। काली मिर्च कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से बचाने में मदद करती है। इसके नियमित सेवन से स्तन कैंसर की गांठ नहीं बनती है। काली मिर्च में विटामिन-सी, ए, फ्लेवोनॉयड्स, कारोटेन्स और अन्य एंटी-ऑक्सीडेंट पाये जाते हैं। यह कैंसर को रोकने में काफी मदद करते हैं।

पेट संबंधी समस्याओं से राहत - खराब व अनियमित खान-पान के चलते लोगों को पेट संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं। अपच, दस्त, कब्ज और खट्टी डकार आदि से राहत पाने के लिए काली मिर्च के सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इससे पेट की पाचन क्रिया सही होती है।

त्वचा की खूबसूरती - काली मिर्च ना सिर्फ शरीर को रोगों से बचाती है बल्कि यह त्वचा को निखारने का भी काम करती है। काली मिर्च को दरदरा पीस कर चेहरे पर स्क्रब करने से त्वचा में चमक आती है। साथ ही कील-मुंहासे भी दूर हो जाएंगे। इससे डेड स्किन भी निकल जाती है।

...तो कमजोर हो रही हैं आपकी आंखें

लैपटॉप, मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल करने से ज्यादातर लोगों की आंखों में प्रॉब्लम होनी शुरू हो जाती है। कुछ संकेतों से पता चलता है कि आपकी आंखें कमजोर हो रही हैं। ऐसे में उन संकेतों को इग्नोर नहीं करना चाहिए। आइए, जानते हैं आंखों के कमजोर होने के लक्षण क्या हैं।

आंखों में खुजली होना

लंबे समय तक लैपटॉप पर काम करने से आपकी आंखों में तनाव शुरू हो जाता है। ऐसे में आंखों में खुजली शुरू हो जाती है और आंखें बार-बार रगड़ने का मन करता है।

सुबह उठते ही धुंधला दिखना

सुबह उठने पर कुछ घंटों तक धुंधला दिखाई दे सकता है। ऐसे में आप कितनी बार ही आंखें धो लें लेकिन फिर भी आपको पूरी तरह साफ नजर नहीं आ पाता। उठने के काफी देर बाद आपकी नजर सामान्य होने लगती है।

आंखों से पानी आना

आंखों से पानी आना भी आंखें कमजोर होने का संकेत है। यह समस्या तब और भी बढ़ जाती है, जब आप कुछ लिखते, पढ़ते या फिर देखते हैं। आंखों से पानी आने की समस्या को रोकने का सबसे अच्छा उपाय है कि आंखों में कोई आयुर्वेदिक दवा डालें या फिर आप डॉक्टर से आंखें चेक कराने के बाद उनकी बताई दवा लें।

आंखें लाल होना

आंखों के कोनों का लाल होना भी आंखें कमजोर होने का संकेत है। ऐसी स्थिति में आपकी आंखें लाल ही नहीं होती बल्कि आंखें ड्राई भी हो जाती हैं।

सिरदर्द या सिर के पीछे दर्द

आंखें कमजोर होने पर पूरे दिन सिर में हल्का दर्द हो सकता है। कभी-कभी सिर के पीछे भी दर्द शुरू हो जाता है। खासतौर पर जब आप आंखें झुकाकर नीचे देखते हैं, तो परेशानी बढ़ जाती है।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प पूर्ण करने में आम जनमानस की भूमिका महत्वपूर्ण, जीएसटी क्रांति और आयकर की दरों में ऐतिहासिक छूट

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंग देव की पत्रकार वार्ता

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश आत्मनिर्भर भारत की ओर तेज़ी से अग्रसर है। हाल के ऐतिहासिक जीएसटी क्रांति और उससे पहले आयकर की दरों में ऐतिहासिक छूट देकर, सभी तरह के कर कानूनों का सरलीकरण कर मोदीजी ने 'विकसित भारत' की राह को प्रशस्त किया है। उक्ताशय की बाते, शनिवार को भारतीय जनता पार्टी दुर्ग जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंग देव ने कही.उन्होंने आगे कहा कि नागरिकों को राहत, व्यापार सुगमता, कर सरलीकरण का अंतिम ध्येय भारत को विकसित बना देश के 150 करोड़ नागरिकों का जीवन आसान बनाना।श्री देव ने आगे कहा कि कोरोना की वैश्विक महामारी के समय प्रधानमंत्री ने सबसे पहले 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र दिया था।पीएम मोदी के इस मूलमंत्र को अपना कर पार्टी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान शुरू किया है। यह अभियान 25 सितंबर पं. दीनदयाल उपाध्यायकी जयंती से प्रारम्भ हुआ है और 25 दिसंबर को छत्तीसगढ़ निर्माता, भारत रत्न श्रद्धेय अटल जी की जयंती तक चलेगा।इसके अलावा उन्होंने कहा कि, हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी की भावना के साथ इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए आत्मनिर्भर भारत संकल्प सम्मेलन और आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा जैसी कई गतिविधियों की योजना बनाई गई है। इस अभियान का उद्देश्य 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को हर भारतीय तक पहुँचाना है।पिछले एक दशक से प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में स्वदेशी को लेकर जिस तेजी से काम हुआ है, उसका असर सैन्य उपकरणों के निर्यात से लेकर अंतरिक्ष, वैक्सीन हर जगह भारत की बढ़ती धाक में देखा जा सकता है।यदि सिर्फ रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को देखें तो 2014 से पहले जहां हम बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर थे वहीं अब आत्मनिर्भर होते हुए रक्षा निर्यातक बन चुके हैं। आपको बता दें,भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2014-15 में 1 हजार 941 करोड़ रूपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 23 हजार 622 करोड़ रूपए हो गया है। आज हमारे देश ने विश्व के तीसरे सबसे बड़े स्टार्ट अप इको सिस्टम के रूप में स्थापित कर लिया है. जहां 17 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं।भारत में 100 से अधिक यूनिकॉर्न आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का प्रतीक हैं। सही अर्थ में हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से अंत्योदय के उद्देश्य को भी पूरा कर रहे हैं।आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन के ध्येय पर चलते देश में आर्थिक और नीतिगत सुधारों का जो दौर चल रहा है, उसका सबसे अधिक लाभ गरीब, किसान, महिलाओं, मध्यम वर्ग को मिला है।श्री देव ने आगे कहा कि जीएसटी सुधार लागू होने के बाद मैं स्वयं बाज़ारों में जा रहा हूं। जिस तरह का उत्साह हमें देखने को बाज़ारों में मिल रहा है, वह अद्भुत है। बाजार भ्रमण के दौरान मैंने देखा कि लोगों में जीएसटी 2.0 और स्वदेशी उत्पादों को लेकर विशेष उत्साह है।बाज़ार भ्रमण के दौरान हमने व्यवसायी बंधुओं से भेंट कर उन्हें भी स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का लिए प्रेरित किया, सभी आज इस बात पर एकमत हैं कि हम स्वदेश निर्मित उत्पादों से आत्मनिर्भर होकर विकसित भारत का स्वप्न साकार करेंगे। वर्तमान में भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस दशक के अंत तक हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। छत्तीसगढ़ का जीएसडीपी भी पांच वर्ष में दुगना कर उसे 10 लाख करोड़ करने का लक्ष्य लेकर हम कार्य कर रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए, भारत की संस्कृति, परंपरा और आत्मा को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प है। इस अभियान के तहत 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पूरे देश में रथ यात्राएं, सम्मेलन, प्रदर्शनी और स्वदेशी मेले आयोजित किए जा रहे हैं।छत्तीसगढ़ इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ आत्मनिर्भर भारत का अग्रणी राज्य बने। इसके लिए स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाज़ार से जोड़ने की रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। यहां की समृद्ध संस्कृति, परंपरागत कला, शिल्प और संसाधन आत्मनिर्भरता के सशक्त उदाहरण हैं।बस्तर की लोक कला, चांपा का कोसा और जशपुर की कॉफी अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। महिला स्व-सहायता समूहों ने हर्बल उत्पादों को राष्ट्रीय बाजार तक पहुँचाया है। बस्तर आर्ट, डोकरा, टेराकोटा जैसी कलाएं भारत की सांस्कृतिक आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन रही हैं। जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर हम अपने किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों से आह्वान किया है कि हर भारतीय गर्व से कहे मैं स्वदेशी खरीदता हूँ, मैं स्वदेशी बेचता हूँ। गर्व से कहो यह स्वदेशी है, यही भावना आत्मनिर्भर भारत का मूल है। मोदी जी के नेतृत्व में देश में आर्थिक और नीतिगत सुधारों का जो दौर चल रहा है, उसका सबसे अधिक लाभ गरीब, किसान, महिलाओं, मध्यम वर्ग को मिला है।दैनिक जीवन में स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक प्रयोग देशभक्ति और राष्ट्र की सेवा का भी माध्यम है। आइए देशसेवा के उपक्रम स्वदेशी को आत्मसात करें और विकसित भारत तथा विकसित छत्तीसगढ़ के स्वप्न को साकार करें।आयोजित पत्रकार वार्ता मे भाजपा प्रदेश महामंत्री नवीन मारकंडेय, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, पुरुषोत्तम देवांगन, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, पूर्व केबीनेट मंत्री रमशीला साहू, प्रदेश प्रवक्ता के.एस.चौहन, भाजपा जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम जिला संयोजक दिलीप साहू, भिलाई जिला भाजपा मंत्री एवं कार्यक्रम के जिला संयोजक दिलीप जायसवाल, जिला भाजपा मीडिया प्रभारी राजा महोबिया उपस्थित रहे 7

दोहरे हत्याकांड की गुत्थी पुलिस ने सुलझा लिया

नाबालिग का प्रेमी ही निकला हत्यारा

गनियारी में 20माह पूर्व हुई थी दादी-पोती की हत्या

पुलिस ने किया मीडिया में खुलासा

दुर्ग। दुर्ग जिले के ग्राम गनियारी में 20 माह पूर्व हुए दादी-पोती के दोहरे हत्याकांड की गुत्थी आखिरकार पुलिस ने सुलझा लिया है। दोहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाला और कोई नहीं बल्कि मृत नाबालिग बालिका का प्रेमी निकला। आरोपी समाज और परिवार वालों के डर से नाबालिग प्रेमिका की हत्या की। नाबालिग के चीखने की आवाज सुनकर दादी जैसे ही पहुंची तो आरोपी ने उसे भी चाकू से गोदकर मार डाला। इस मामले में पुलिस ने दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी चुमेन्द्र निषाद उसके दोस्त पंकज निषाद और एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार को एएसपी सुखनंदन राठौर ने मीडिया को बताया कि 6 मार्च 2024 को पुलगांव थाना क्षेत्र के ग्राम गनियारी में धारदार हथियार से दादी और पोती की हत्या कर दी गई थी।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की पूरी टीम मौके पर पहुंची थी। मृतिकों के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए विवेचना के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा घटना स्थल पर 62 सन्देहियों से पूछताछ की गई। सन्देहियों का पूर्व आपराधिक रिकार्ड भी खंगाला गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत अहमदाबाद एवं रायपुर में सन्देहियों का ब्रेन मेपिंग, पॉलीग्राफ और नार्को टेस्ट भी कराया गया। प्राप्त रिपोर्ट से जो सबूत मिले उनके आधार पर प्रमुख सन्देहियों से सख्ती से पूछताछ की गई। जिसमें चुमेन्द्र निषाद ने नाबालिग से अवैध संबंध की स्वीकार किया . और उसने सगाई के उपरांत अवैध संबंधों का खुलासा होने के डर से इस दोहरे हत्याकांड को शराब तस्कर के एक सहयोगी पंकज निषाद और एक अन्य फरार आरोपी के साथ मिलकर अंजाम दिया था। पुलिस ने बताया कि मृतिका (बालिका) को यह पता चल गया था कि आरोपी चुमेंद्र की सगाई 19 फरवरी 2024 को हो चुकी है। अपने सहेलियों के माध्यम से मृतिका, चुमेंद्र और उसके परिवार को बरबाद करने की बात कही थी। इन बातों के पता लगने पर आरोपी ने अपने शराब तस्कर साथियों के साथ मिलकर मृतिका नाबालिग बालिका की हत्या करने की योजना बनाई। घटना के दिन आरोपी चुमेंद्र लोगों को गुमराह करने के लिए अपने दोस्तों के साथ चौथिया खाने उतई के पास घुघसीडीह चला गया था।वहां से मध्य रात्रि करीबन 1:00 से 1:30 बजे के बीच वापस गांव आया। और अपने भाई को फोन करके दरवाजा खुलवाया। अपने भाई के सोने के बाद बाहर निकल कर योजना के तहत पंकज और एक अन्य साथी को व्हाट्सएप कॉल कर बुलाया तब उसके साथी पंकज निषाद और अन्य स्कॉर्पियों गाड़ी सीजी 06, ई 6666 में मृतिका के घर के बाहर खड़े हो गए।उसके बाद आरोपी चुमेंद्र मृतिका (बालिका) के घर पहुंचा और आवाज देकर दरवाजा खुलवाया और घर के अंदर चला गया । और योजनाबद्ध तरीके से झूठ बोलकर चलो शादी करेंगे कहकर भागने के लिए कहा। इस पर मृतिका ने कहा तुम्हारी सगाई हो गई है, मैं नहीं जाउंगी कहकर मना कर दी थी। आरोपी को शंका थी कि मृतिका (बालिका) तीन महीने से गर्भ से है। और वह उसके लिए आगे मुसीबत ना खड़ी कर दे इस भय से आरोपी चुमेंद्र ने गुस्से में आकर वहीं पड़े टंगीया से बालिका के सिर में कई बार प्राण घातक हमला किया। चीखने पर उसकी दादी पहुंची आरोपी ने उस पर भी हमला कर दिया.उसे भी चाकू से गर्दन पर मारा तो वह बचने के लिए बाहर भागी। उसे पकड़ कर उसके गर्दन में कई बार चाकू से वार किया।जिससे वह गिर गई तो उसे घसीट कर अंदर लाया। हत्या करने के बाद आरोपी ने घटना में प्रयुक्त चाकू व हाथ तालाब में धोकर अपने दोनों साथियों को बताया कि काम हो गया है। फिर वे अपने अपने घर चले गए। पुलिस ने बताया कि आरोपी चुनेंद्र निषाद अपराधिक प्रवृत्ति का है। इसके विरूद्ध पूर्व में थाना पुलगांव में अपराध कमांक 489/2019 धारा 294, 323, 506, 34 भादवि, अप.क. 300/2023 धारा 34(2) 59 (क) आबकारी एक्ट एवं अप.क. 330/2025 धारा 74,296,115 (2) 351(2) बीएनएस के तहत् तथा आरोपी पंकज निषाद के विरूद्ध अपराध क. 69/2021 धारा 294, 323, 506, 34 भादवि, अप. क. 454/2021 धारा 34 (2) 59 (क) आबकारी एक्ट एवं अप. क. 48/2025 धारा 34 (2) 36, आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध है। आरोपी चुमेन्द्र निषाद की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू एवं आरोपी पंकज निषाद से मोबाईल, स्कार्पियों वाहन को जब्त किया गया है। घटना में एक अन्य आरोपी की भूमिका की भी पतासाजी की जा रही है। प्रकरण में वरि. पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा गठित विशेष टीम, थाना पुलगांव, एसीसीयू के अधिकारी कर्मचारियों की संयुक्त टीम के द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एस.एस.पी ने सौंपें 41 लाख रुपए के मोबाईल

ज़एसीसीयू दुर्ग ने खोजा 201 गुम मोबाईल

मोबाइल धारकों को किया गया वितरण

दुर्ग। दुर्ग जिले में लगातार मोबाईल गुमने की रिपोर्ट विभिन्न थानो में दर्ज कराई जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल के निर्देश पर, एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट एवं जिला दुर्ग के थाना प्रभारियों के नेतृत्व में एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट एवं विभिन्न थाने की टीम को गुम हुये मोबाईलों को खोजकर संबंधित मोबाईल स्वामियों को वितरण करने हेतु कार्य में लगाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार वर्ष 2024-2025 के गुमे हुये मोबाईलों से संबंधित आवेदन पत्रों के आधार पर अभियान चला कर एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट टीम द्वारा दुर्ग, भिलाई, राजनांदगाँव, बालोद, बेमेतरा एवं रायपुर क्षेत्रों में चल रहे कुल 201 नग विभिन्न कंपनियों के मोबाईलों जिनकी कीमत तकरीबन 41 लाख रूपये के लगभग है उसे टीम ने खोजकर बरामद कर लिया है।

जिसे संबंधित आवेदकों को कोतवाली भिलाई सेक्टर -6 में विधिवत वितरण किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही में एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट टीम की उल्लेखनीय भूमिका रही।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर दुर्ग पुलिस के सोशल मीडिया एकाउन्ट (फेसबुक, इन्सटाग्राम, ट्वीटर) पर बरामद मोबाईल के ढ्रस्ध्ढ्ढ नंबरों की लिस्ट अपलोड की जायेगी. जिससे मिलान कर संबंधित मोबाईल स्वामी एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट कार्यालय सेक्टर 3 से अपना मोबाईल प्राप्त कर सकते हैं।

गर्ल्स कॉलेज में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर यूथ रेडक्रॉस का आयोजन, डॉक्टरों ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला

दुर्ग। शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के निर्देशन में संपन्न हुआ।कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. निशा गोस्वामी (कंसल्टेंट फिजियोथेरेपिस्ट, दुर्ग) ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मानसिक आरोग्य हमारे सोचने, महसूस करने और व्यवहार करने के तरीके से जुड़ा एक भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कल्याण का पहलू है।इसके अलावा भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा यादव ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य वह स्थिति है जो यह निर्धारित करती है कि व्यक्ति कैसे सोचता है, महसूस करता है और परिस्थितियों के अनुसार कैसे प्रतिक्रिया करता है।इस दौरान डॉ. रेशमा लाकेश प्रभारी प्राध्यापक, ने इस वर्ष की थीम स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य की जानकारी देते हुए बताया कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरूकता फैलाना, समर्थन बढ़ाना, उन्होंने यह भी कहा कि यह दिन हमें याद दिलाता है कि मानसिक स्वास्थ्य वर्ष के सभी 365 दिनों में महत्वपूर्ण है, लेकिन 10 अक्टूबर एक विशेष दिन है जो सभी को इस विषय पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर प्रदान करता है।डॉ. मिलिंद अमृतफले, विभागाध्यक्ष, संगीत ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने से व्यक्ति को अपने जीवन में लचीलापन और संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है, चाहे वह घर हो, विद्यालय हो या कार्यस्थल । डॉ. मोनिया राकेश सिंह, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र ने मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति की विशेषताएँ पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसा व्यक्ति आत्म-समझ से परिपूर्ण होता है, अपनी भावनाओं को नियंत्रित कर सकता है, दूसरों के साथ मजबूत संबंध बना सकता है, जीवन की कठिनाइयों का सामना कर सकता है तथा अपने जीवन में उद्देश्य और संतोष की भावना रखता है। तबस्सुम ने मानसिक स्वास्थ्य को सोचने, व्यवहार करने और भावनाओं को नियंत्रित करने की क्षमता का समग्र कल्याण बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सीमा कालरा ने किया तथा जागृत ठाकुर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।इस अवसर पर डॉ. दीपक कश्यप, डॉ. अनामिका वस्वकार, डॉ. कमलेश चेलक, डॉ. चाँदनी अफ्साना, डॉ. वैभव शंकर सोनी, नितिन देवांगन, कु. श्रद्धा वर्मा, कु. प्रियंका बारला, कु. रश्मि नौरंगे, अरविन्द लोखण्डे एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित थी।

चेयरमेन संजय तिवारी ने उज्जवल भविष्य की कामनाओं के साथ प्रदान किया प्रमाण पत्र

एस.आर. हॉस्पिटल एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज चिखली दुर्ग के विद्यार्थी को किया गया सर्टीफिकेट वितरण

दुर्ग । एस.आर. हॉस्पिटल एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज चिखली दुर्ग में टेक्नीशियन कोर्से के उत्तीर्ण विद्यार्थीओं को सर्टीफिकेट प्रदान किया गया। विद्यार्थियों ने सफलतापूर्वक अपने कोर्स को कंप्लीट कर लिया है । विद्यार्थियों को आज शनिवार को एस.आर. हॉस्पिटल एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज के चेयरमैन संजय तिवारी के द्वारा सर्टीफिक्रेट प्रदान गया है । आपको बता दें कि यह पैरामेडिकल टेक्नीशियन कोंस एक वर्षीय सर्टिफिक्रेट कोर्स है । संस्थान को छत्तीसगढ़ पैरामेडिकल काउंसिल से मान्यता प्राप्त है । परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन छग पैरामेडिकल काउंसिल में होता है । रजिस्ट्रेशन पश्चात विद्यार्थी सरकारी नौकरी एवं किसी भी प्राइवेट संस्थान में नियमानुसार नौकरी के लिए आवेदन कर सकते है। आज प्रमाण पत्र वितरण के मौके पर जब लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ने स्टूडेंटस से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि एस.आर. हॉस्पिटल एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज में एक साल का सर्टिफिक्रेट कोर्स किया है । एस आर के फ्रेंडली व पारिवारिक माहौल के बीच उन्होंने कोर्स कम्पलीट किया है । इस कोर्स को पूरा करने के बाद उनके भीतर आत्मविश्वास बढ़ गया है । अब वे सरकारी नौकरी या किसी भी प्राइवेट संस्थान में नौकरी के लिए आवेदन कर सकते है। एस.आर.हॉस्पिटल एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज के पारिवारिक माहौल के बीच एक वर्ष कब गुजरा पता ही नहीं चला हम यहां के समस्त टीचर व स्टाफ का धन्यवाद करते है । साथ ही अपने रिश्तेदारों व मित्रों को भी एस आर पैरामेडिकल कॉलेज से पैरामेडिकल टेक्नीशियन कोर्स करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे । इस अवसर पर एस.आर. हॉस्पिटल एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर अजय तिवारी व प्रिंसिपल विजय गवान्डे व अरविन्द खैरवार व संजय गुप्ता व विनिता आंचला व नेहा ठाकूर सीमा शर्मा रेश्मा साहू व प्रशांत देवांगन यमुना पटेल जाकीर हुसैन प्रियेश मिश्रा रूपा चेलक व अन्य स्टाफ ने विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामनाओं के साथ बधाई दी ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com